दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः 32 | ग्वालियर, सोमवार 14 अक्टूबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

बीजेपी से बगावत पर केंद्रीय मंत्री ने अपना रुख किया साफ

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने बीजेपी के खिलाफ उनके बगावत करने की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह अपनी पार्टी के साथ मजबूती से खड़े हैं। केंद्रीय मंत्री सोशल मीडिया मंच %एक्स% पर पोस्ट किया कि कुछ चैनल पर निराधार खबरें चलाई जा रही हैं, जिनमें मुझे 9 विधायकों के साथ बगावती दिखाया जा रहा है। यह सब तथ्यहीन, निराधार खबर है। मैं और मेरे सभी साथी विधायक बीजेपी के साथ मजबूती से खड़े हैं। बता दें कि हाल में संपन्न हरियाणा विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 48 सीट जीतकर अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जो कांग्रेस द्वारा जीती गई सीट से 11 अधिक है। वहीं, जननायक जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी जैसे दलों का सफाया हो गया और इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) को सिर्फ दो 2 मिलीं। तीन निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी जीत दर्ज की।

हरियाणा में नई बीजेपी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 17 अक्टूबर को पंचकूला में होगा। मुख्यमंत्री नायब

सिंह सैनी चुनाव में पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार थे। गौरतलब है कि अहीरवाल क्षेत्र की 11 में से दस सीट पर बीजेपी ने जीत दर्ज की। दक्षिण हरियाणा से जीतने वालों में राव इंद्रजीत सिंह की बेटी आरती सिंह राव भी शामिल हैं, जिन्होंने अटेली क्षेत्र से जीत दर्ज की। अहीरवाल क्षेत्र से जीतने वाले ज्यादातर अन्य उम्मीदवार गुरुग्राम से लोकसभा सदस्य राव इंद्रजीत सिंह के करीबी माने जाते हैं। पिछले महीने चुनाव प्रचार के दौरान एक पत्रकार ने पूछा था कि क्या वह हरियाणा का मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं, तो राव इंद्रजीत सिंह ने कहा था कि यह उनकी नहीं, बल्कि लोगों की इच्छा है कि वह मुख्यमंत्री बनें। उन्होंने कहा, ÷आज भी लोग चाहते हैं कि मैं मुख्यमंत्री बनूं।÷ राव इंद्रजीत सिंह दक्षिणी हरियाणा के अहीर समुदाय से आने वाले एक प्रमुख नेता हैं और दशकों से उस क्षेत्र का चेहरा रहे हैं। वह छठी बार लोकसभा सदस्य चुने गए हैं, जिनमें से तीन बार वह बीजेपी सदस्य रहे हैं। सिंह को पिछले कई वर्षों से अहीरों का अटूट समर्थन प्राप्त है। 2014 के आम चुनाव से पहले बीजेपी में शामिल होने से पहले सिंह कांग्रेस में थे और गुरुग्राम से सांसद थे।

हरियाणा में हार, सपा ने भी घोषित किए प्रत्याशी

लखनऊ। यूपी विधानसभा उपचुनाव से पहले कांग्रेस दोहरे झटकों से उबरने की कोशिश कर रही है। एक तो हरियाणा विधानसभा चुनाव हार मिली और अब उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनावों में से छह सीट पर समाजवादी पार्टी (सपा) ने उम्मीदवार घोषित कर दियाहै। पार्टी रणनीतिकारों को उम्मीद है कि सपा के साथ गठबंधन का कोई बेहतर रास्ता निकाल लिया जाएगा, जिससे सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को शिकस्त देने में सफलता मिलेगी। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और उप्र के प्रभारी अविनाश पांडेय ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ÷एक बात तो स्पष्ट है कि कहीं पर कोई नतीजे अगर

उम्मीदों के अनुसार नहीं आते तो स्वाभाविक है कि कार्यकर्ताओं और नेताओं को दुख और निराशा होगी। लेकिन पार्टी उत्तर प्रदेश में अपने लक्ष्य पर केंद्रित हैं क्योंकि यहां 'जंगलराज' का खात्मा करना है।÷ कांग्रेस के एक कार्यकर्ता ने अपनी नाखुशी जाहिर करते हुए 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ÷हरियाणा में कांग्रेस की पराजय का ही नतीजा रहा कि परिणाम आते ही सपा ने राज्य में छह सीट पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए। अगर वहां (हरियाणा) हमारी सरकार बनी होती तो सपा ऐसी हरकत न करती। अविनाश पांडेय ने हालांकि संभावनाओं पर जोर देते हुए कहा कि यह विषय (टिकट बंटवारा) अभी चर्चा में हैं, अभी भी संवाद जारी है और समय रहते विचार-विमर्श कर इन चीजों को आपस में हल किया जाएगा। यह बड़ी समस्या नहीं है। यह भी स्पष्ट कर दूं कि कोई चीज असंभव नहीं है, संभावना अभी भी बनी हुई है। राजनीतिक विशेषज्ञों से लेकर मीडिया की अटकलों को दरकिनार करते हुए भाजपा ने हरियाणा में 90 में 48 सीट जीतकर तीसरी बार सरकार बनाई और कांग्रेस की सरकारी बनाने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। वहीं इससे पहले लोकसभा चुनाव में राज्य की 80 सीट में से विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों सपा ने 37 और कांग्रेस ने छह सीट पर जीत हासिल की थी। लोकसभा चुनाव में मिली जीत से राज्य में लंबे समय तक हाशिये पर रही कांग्रेस का हौसला बढ़ा और उसने 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर संभावनाएं तलाशनी शुरू कर दी थी। राज्य की 10 विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव इसका पूर्वाभ्यास माना जा रहा था, जिसे लेकर कांग्रेस खासी उत्साहित थी।

बाबा सिद्दीकी की हत्या पर आया उद्धव ठाकरे का रिएक्शन

मुंबई। शिवसेना (उद्धव) के नेता उद्धाव ठाकरे ने बाबा सिद्दीकी की हत्या पर अपना पहला रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा कि मुंबई देश में ऐसा शहर है जहां दो पुलिस कमिश्नर हैं और अगर पांच कमिश्नर भी रखें तो कई दिक्कत नहीं है। कानून व्यवस्था का क्या महाराष्ट्र में खुलेआम हत्या होगी , महिला सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रीकी जिम्मेदारी है। वे सिर्फ बड़े बड़े होर्डिंग लगाते हैं। आप सत्ता में राजनेता के तौर पर रहने लायक़ नहीं हैं। उन्होंने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का नाम लेकर कहा, फडणवीस कहते हैं कि कुत्ता भी मरेगा तो विपक्ष इस्तीफा मांगेगा। आप जनता को क्या समझते हैं। वहीं मुंबई पुलिस ने रविवार को कहा कि उस सोशल मीडिया पोस्ट की प्रामाणिकता की जांच की जा रही है जिसमें लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कथित सदस्य ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी ली है। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी (66) को मुंबई में बांद्रा इलाके के खेर नगर में उनके विधायक पुत्र जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर शनिवार रात को तीन लोगों ने गोली मार दी थी। उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के एक कथित सदस्य के नाम पर सोशल मीडिया पर वायरल एक पोस्ट के बारे में पता चला है, जिसमें बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी ली गयी है। पुलिस इसकी प्रमाणिकता का पता लगा रही है। मुंबई पुलिस ने बाबा सिद्दीकी की हत्या की विभिन्न पहलुओं से जांच शुरू कर दी है, जिसमें सुपारी लेकर हत्या, कारोबारी प्रतिद्वंद्विता या एक बस्ती की पुनर्वास परियोजना को लेकर मिली धमकी के पहलू भी शामिल हैं। सिद्दीकी का शव पोस्टमार्टम के लिए सुबह बांद्रा में लीलावती अस्पताल से विले पार्ले में कूपर अस्पताल ले जाया गया था। पोस्टमार्टम के बाद शव बांद्रा में मकबा हाइट्स में उनके घर ले जाया गया, जहां शाम को लोग सिद्दीकी के अंतिम दर्शन कर सकेंगे। एक अधिकारी ने बताया कि राकांपा नेता के पार्थिव शरीर को नमाज-ए-ईशा के बाद रविवार रात साढ़े आठ बजे के उपरांत मरीन लाइंस इलाके में बड़ा कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक और 20 अन्य को पुलिस ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली। लद्दाख भवन के बाहर पिछले कई दिनों से सोशल एक्टिविस्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके साथ अन्य लोग भी प्रदर्शन में शामिल हुए हैं। वहीं रविवार को दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन करने को लेकर सोनम वांगचुक और 20 अन्य लोगों को हिरासत में ले लिया। दिल्ली पुलिस ने अधिकारियों ने बताया कि सोनम वांगचुक और उनके साथ प्रदर्शन कर रहे करीब 20 से 25 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी लोगों को मंदिर मार्ग थाना ले जाया जा रहा है। वहीं मामले को लेकर देखते हुए और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शन कर रहे लोगों को लद्दाख भवन के बाहर बैठने की अनुमति नहीं दी गई है। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''उन्होंने जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने के लिए अर्जी दी है। उनकी अर्जी पर विचार किया जा रहा है। उन्हें किसी और स्थान पर प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं है। हमने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है जिन्हें जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा।'' फिलहाल प्रदर्शन कर रहे लोगों को थाने भेज दिया गया है। वहीं कुछ प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वह प्रदर्शन नहीं कर रहे, थे बल्कि शांतिपूर्वक बैठे थे। बता दें कि सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग कर रहे हैं। अपनी इस मांग को लेकर वह अपने समर्थकों के साथ लेह से दिल्ली आए हैं। इससे पहले भी दिल्ली पुलिस ने 30 सितंबर को उन्हें दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर हिरासत में ले लिया था। हालांकि उन्हें दो अक्टूबर की रात को रिहा भी कर दिया गया था। इसके बाद वह दोबारा से प्रदर्शन कर रहे थे। सोनम वांगचुक पीएम मोदी सहित शीर्ष नेताओं से मुलाकात करने की मांग कर रहे हैं। दरअसल, संविधान की छठी अनुसूची में पूर्वोत्तर के राज्यों- असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के आदिवासी क्षेत्रों के प्रशासन के विशेष प्रावधान हैं। उनके अनुसार स्वायत्त परिषदों की स्थापना की जाती है, जिनके पास इन क्षेत्रों पर स्वतंत्र रूप से शासन करने के लिए विधायी, न्यायिक, कार्यकारी और वित्तीय शक्तियां हैं। ऐसे में प्रदर्शन कर रहे लोग लद्दाख को राज्य का दर्जा देने, उसके लिए लोक सेवा आयोग तथा लेह और करगिल जिलों के लिए अलग लोकसभा सीटों की भी मांग कर रहे हैं।

सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक और 20 अन्य को पुलिस ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली। लद्दाख भवन के बाहर पिछले कई दिनों से सोशल एक्टिविस्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके साथ अन्य लोग भी प्रदर्शन में शामिल हुए हैं। वहीं रविवार को दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन करने को लेकर सोनम वांगचुक और 20 अन्य लोगों को हिरासत में ले लिया। दिल्ली पुलिस ने अधिकारियों ने बताया कि सोनम वांगचुक और उनके साथ प्रदर्शन कर रहे करीब 20 से 25 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी लोगों को मंदिर मार्ग थाना ले जाया जा रहा है। वहीं मामले को लेकर देखते हुए और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शन कर रहे लोगों को लद्दाख भवन के बाहर बैठने की अनुमति नहीं दी गई है। पुलिस अधिकारी ने कहा, ''उन्होंने जंतर मंतर पर प्रदर्शन करने के लिए अर्जी दी है। उनकी अर्जी पर विचार किया जा रहा है। उन्हें किसी और स्थान पर प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं है। हमने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है जिन्हें जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा।'' फिलहाल प्रदर्शन कर रहे लोगों को थाने भेज दिया गया है। वहीं कुछ प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वह प्रदर्शन नहीं कर रहे, थे बल्कि शांतिपूर्वक बैठे थे। बता दें कि सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग कर रहे हैं। अपनी इस मांग को लेकर वह अपने समर्थकों के साथ लेह से दिल्ली आए हैं। इससे पहले भी दिल्ली पुलिस ने 30 सितंबर को उन्हें दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर हिरासत में ले लिया था। हालांकि उन्हें दो अक्टूबर की रात को रिहा भी कर दिया गया था। इसके बाद वह दोबारा से प्रदर्शन कर रहे थे। सोनम वांगचुक पीएम मोदी सहित शीर्ष नेताओं से मुलाकात करने की मांग कर रहे हैं। दरअसल, संविधान की छठी अनुसूची में पूर्वोत्तर के राज्यों- असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के आदिवासी क्षेत्रों के प्रशासन के विशेष प्रावधान हैं। उनके अनुसार स्वायत्त परिषदों की स्थापना की जाती है, जिनके पास इन क्षेत्रों पर स्वतंत्र रूप से शासन करने के लिए विधायी, न्यायिक, कार्यकारी और वित्तीय शक्तियां हैं। ऐसे में प्रदर्शन कर रहे लोग लद्दाख को राज्य का दर्जा देने, उसके लिए लोक सेवा आयोग तथा लेह और करगिल जिलों के लिए अलग लोकसभा सीटों की भी मांग कर रहे हैं।

ओवरब्रिज की ढलान पर कार में लगी आग, लुढकते हुए आई नीचे

जयपुर। राजधानी जयपुर में एक हैरान कर देने का मंजर देखने को मिला। यहां शनिवार को एक कार में अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद कार ओवरब्रिज से बिना ड्राइवर के ही नीचे लुढकने लगी। इस दौरान वहां मौजूद लोग अपनी जान बचाकर भागते दिखे। हालांकि बाद में फायर विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। बताया जा रहा है कि कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन कार सहित कई कीमती सामान जलकर राख हो गए हैं। दरअसल, पूरा मामला जयपुर के सोडाला इलाके का बताया जा रहा है। यहां शनिवार को एलिवेटेड रोड पर अचानक एक चलती कार में आग लग गई। कार में आग लगने के बाद वहां मौजूद लोगों में अफरा तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि कार ओवरब्रिज के ऊपर चढ़ गई थी। यहां से नीचे उतरने के दौरान कार चालक ने देखा कि बोनट से धुआं निकाल रहा। इसके बाद किसी तरह से उसने कार से कूदकर अपनी जान बचाई। वहीं आस-पास मौजूद लोगों की काफी भीड़ इकट्ठा हो गई। देखते ही देखते पूरी कार आग का गोला बन गई।

बाबा सिद्दीकी केसः 2 आरोपियों को पुलिस कस्टडी में भेजा गया

मुंबई। शनिवार रात बांद्रा इलाके में अजित पवार गुट के नेता बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आने के बाद महाराष्ट्र में हड़कंप मचा हुआ है। इस बीच फेसबुक पर कुख्यात गैंगेस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर बाबा सिद्दकी की हत्या की जिम्मेदारी लेने वाला शुभम लोंकर की फोटो भी सामने आ गई है। सूत्रों के हवाले से ये जानकारी भी मिली है कि शुभम लोंकर से पूछताछ करने के लिए मुंबई पुलिस की एक टीम पुणे रवाना हुई है। इस केस में सूत्रों के हवाले से बड़ी खबर सामने आई है। इस केस में चौथे आरोपी की भी पहचान हुई है। इस चौथे आरोपी का नाम मोहमद जीशान अख्तर है। ये वही शख्स है, जो तीनों शूटर्स को डायरेक्शन दे रहा था। जीशान अख्तर 7 जून को पटियाला जेल से बाहर आया था। वह जेल में लॉरेंस गैंग के गुर्गों के टच में आया था। अभी तक की जांच इंटरनेशनल गैंगस्टर की तरफ इशारा कर रही हैं। इंटरनेशनल रैकेट का मतलब कनाडा से गैंग चलाने वाला गोल्डी बराड़ और साबरमती जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई है। पहले

बड़े-बड़े लोगों से प्रोटेक्शन मनी के नाम पर कभी वॉयस तो कभी वीडियो कॉल के जरिए एक्सटॉर्शन मांगा जाता है और मना करने पर सरेआम गोलियों से भूनकर मार दिया जाता है, जिससे डर फैलाया जा सके। न केवल शूटर्स ने पूछताछ में कबूला कि वो लॉरेंस बिश्नोई के लिए काम करते हैं बल्कि लॉरेंस से जुड़े फेसबुक पोस्ट में भी बाबा सिद्दकी की हत्या की जिम्मेदारी ली गई है। इसके अलावा कोर्ट में भी आरोपियों की कस्टडी की मांग के दौरान क्राइम ब्रांच ने इसे इंटरनेशनल रैकेट की बात कही है। बता दें कि लॉरेंस बिश्नोई गुजरात की साबरमती जेल में बंद है तो वहीं गोल्डी बराड़ इस वक्त कनाडा में मौजूद है। इनका गैंग डर और एक्सटॉर्शन पर काम करता है। गोल्डी बराड़ कनाडा में बैठकर धमकी के कॉल करता है। बड़े-बड़े व्यापारियों से करोड़ो रुपए सेफ्टी मनी के दौरान आते हैं, जिसका इस्तेमाल हथियार खरीदने के लिए किया जाता है। फिलहाल आरोपियों की कस्टडी लेकर क्राइम ब्रांच फरार दो आरोपियों की तलाश करेगी और ये पता लगाएगी आखिर क्या सिर्फ बाबा सिद्दकी की ही हत्या करना मकसद था, या फिर अगला नंबर किसी और का भी हो सकता है।

बुराई पर अच्छाई की जीत कायम रखें: अम्बरीष शर्मा विधायक

दंगल में ग्वालियर से कौशल ने बाजी मार की जीत हासिल,बने विजेता

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। विजयादशमी के पावन पर्व पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दबोह नगर परिषद द्वारा माँ बीजासेन के तत्वाधान में विशाल दंगल का आयोजन बीजासेन मन्दिर के पास वार्ड नम्बर 06 में आयोजित किया गया।इस दंगल में मध्यप्रदेश-उत्तरप्रदेश के दूर दराज से आये पहलवानों ने हिस्सा लिया,साथ ही पहली बार वर्षो से चले आ रहे इस दंगल में पिछली बार से ज्यादा संख्या में पहलवानो दंगल में पहुंचकर अपनी उपस्तिथि दर्ज कराई।इस मौके पर मुख्यातिथि के रूप मे लहार विधायक अम्बरीष शर्मा गुड्डू भैया प्रमुख रूप से मौजूद रहे।सर्वप्रथम लहार विधायक अम्बरीश शर्मा गुड्डू भैया ने माँ बीजासेन की पूजा अर्चना की तदोपरांत दंगल प्रांगण में दंगल के जनक अजुद्दी कस्तवार के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया।उसके बाद दंगल में पहुंचकर फीता काटकर पहलवानों का हाथ मिलाकर कुश्ती का शुभारंभ किया।आयोजित विशाल दंगल में लहार विधायक अम्बरीष शर्मा गुड्डू ने कहा कि असत्य पर सत्य की जीत के जश्न के दिन दंगल का होना कोई दुश्मनी का प्रतीक नही पहलवान जब तक मैदान में है तब तक वह पहलवान है उसके बाद हम सब एक परिवार है इसलिए पहलवान अपनी पहलवानी सिर्फ मैदान तक ही रखे क्यों कि परिवार की ताकत बहुत बड़ी होती है इसलिए मिल कर रहे और सदैव बुराई पर अच्छाई की जीत कायम रखें।उन्होंने अंत मे कहा की दंगल प्रेमियो की मांग को देखते हुए अगले वर्ष इससे भी बड़ा और रोमांचक दंगल कराया जाएगा।वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता दबोह नगर परिषद अध्यक्ष विमला नरेन्द्र दुधारिया के द्वारा की गई।दंगल के अवसर पर नप अध्यक्ष ने सम्बोधित करते हुए कहा कि कुश्ती हमारे देश का प्रिय खेल है और ऐसे जांबाज पहलबानो से ही हमारा हिंदुस्तान मजबूत है।कुश्ती के लिए पहलवानों को निरंतर प्रयास करना आवश्यक है।वहीँ अंत मे विजयी कौशल ग्वालियर को थाना प्रभारी दबोह राजेश शर्मा,नगर परिषद अध्यक्ष विमला नरेद्र दुधारिया द्वारा पुरुष्कार राशि भेंट कर सम्मानित किया गया।उक्त कार्यक्रम में नगर परिषद सीएमओ ने लहार विधायक अम्बरीश शर्मा व नगर परिषद अध्यक्ष विमला नरेंद्र दुधारिया को पगड़ी पहनाई।इस दौरान नगर परिषद पार्षद,भाजपा नेता व नगरवासी मौजूद रहे।

मौ नगर परिषद के द्वारा मनाया गया भव्य दशहरा एवं चल समारोह कार्यक्रम

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ बेताल सिंह गौड़

मौ नगर के इतिहास में पहली बार मौ नगर परिषद के अध्यक्ष एवं उनकी समस्त नगर परिषद टीम के द्वारा मौ नगर में ऐतिहासिक विजयदशमी का आयोजन स्कूल फील्ड प्रांगण में किया गया विजयदशमी के पावन अवसर पर सत्य की असत्य पर विजय का प्रतीक दशहरा के दिन मौ नगर में सबसे पहले भगवान राम की शोभा यात्रा सेवढ़ा रोड तहसील से प्रारंभ हुई समापन गांधी मार्केट गोलंबर होते हुए कार्यक्रम स्थल पर हुआ उसके बाद रावण दहन किया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य जी,मौ नगर परिषद के अध्यक्ष प्रतिनिधि सज्जन सिंह यादव जी,मुख्य नगर पालिका अधिकारी महेश पुरोहित जी, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र गुर्जर,भाजपा मंडल अध्यक्ष गोपाल कुशवाह, जिला मंत्री फरेंद्र सिकरवार, उपाध्यक्ष पंकज कुशवाहा, पार्षद प्रमोद यादव जी, पार्षद पप्पू यादव, पार्षद मायाराम यादव ,पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष धोरी यादव , रामू कुशवाहा, सोमवीर शिवहरे ,सहित समस्त पधाधिकारी,जिले के पधाधिकारी एवं कार्यकर्ता और मौ नगर की समस्त जनता जनार्दन उपस्थित रही।

सादड़ी मे प्रतिस्पर्धाओं व भव्य आतिशबाजी संग हुआ रावण दहन, दर्जन भर ग्राम्यांचल से उमड़ा हजारों का जनसैलाब

दैनिक पुष्पांजलि टूडे रिपोर्ट खंगारराम मुलेवा

पाली सादड़ी/रिपोर्टर छगनलाल प्रजापत प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि विजयादशमी का पावन पर्व हर्षोल्लास से आजाद मैदान में मनाया। इस दौरान बच्चों, बच्चियों नवयुवा प्रौढ़ व उम्रदराज में विभिन्न प्रतिस्पर्धा हुई। भव्य आतिशबाजी के साथ देर शाम रावण दहन हुआ। पालिका से आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुकेश शर्मा, परबतसिंह राठौड़, सफाई कार्मिक भैराराम, रोशनलाल, प्रबुद्धजन खुबीलाल पुआलसा व कैलाश दर्वे सान्निध्य में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों व बच्चियों में चम्मच दौड़, बोरी रेस व तीन टांग दौड़, प्रौढ़ युवाओं के लिए धीमी गति साइकिल व मोटरसाइकिल दौड़ एव उम्रदराज के लिए कुर्सी दौड़ स्पर्धा हुई। जिसमें विजेता प्रथम व द्वितीय को पालिकाध्यक्ष खुमीदेवी बावरी, उपाध्यक्ष हीराराम जाट, पार्षद संजय बोहरा, शंकर बावरी, पार्षद नारायण लाल, पार्षद बबिता जाट, सोहनलाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष गोविंद मीणा, दिनेश मीणा, ओमप्रकाश बोहरा, पार्षद रमेश प्रजापत, वसीम, रेखराज, थानाधिकारी चंप

कठोर साधना के बाद ही विजय प्राप्त होती है:अजेश सिंह

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिबस तथा विजयादशमी के उपलक्ष्य में रविवार को नगर दबोह में राष्ट्रीय स्वयं सेवक दबोह के द्वारा हाई स्कूल में सभी स्वमसेवक एकत्रीकरण हुये।उसके पश्चात बौद्धिक हुआ इसके बाद स्वमसेवको ने नगर में एक पथ संचलन निकाला जो नगर के हाई स्कूल परिसर से प्रारंभ हुआ और नगर के पतारा मोहल्ला,यादव गली,रीक्षा मोहल्ला,चौक मोहल्ला,पुरानी हाट,कुरचानिया मोहल्ला,कौरव मोहल्ला,कोंच तिराहा होते हुए वापस हाई स्कूल परिसर में समाप्त हुआ।इस बीच पथ संचलन पर नगरबासियो के द्वारा जगह-जगह पुष्प बर्षा कर स्वमसेवको का स्वागत किया गया,वही स्वयं सेंवक पूरे रास्ते भारत माता के गीत गाते चल रहे थे।इस कार्यक्रम में पधारे मुख्य वक्ता लहार जिला के जिला कार्यवाह अजेश सिंह जी ने कहा की कठोर साधना के बाद ही विजय की प्राप्ति होती है।संघ के स्वयंसेवक सन 1925 से सतत राष्ट्र सेवा के कार्य में लगे हुए हैं।उन्होंने कहा भारत पुरातन काल से ही हिंदू राष्ट्र है इससे अलग से हिंदू राष्ट्र बनाने की आवश्यकता नहीं है हमें चाहिए कि हम सोए हुए हिंदू समाज को जागृत करें उन्होंने आगे कहा कि भगवान राम ने भी वानरो को और सज्जन शक्ति को एकत्रित करके आसुरी शक्ति पर विजय प्राप्त की थी।संघ भी सज्जन शक्ति को संगठित करके भारत को परम वैभव पर ले जाने के कार्य में लगा हुआ है।यह कार्य विषम परिस्थितियों में सन 1925 से प्रारंभ हुआ था जो कि सतत चल रहा है और आज संघ 99 वर्ष की यात्रा पूर्ण कर चुका है ओर हम सभी शताब्दी वर्ष मना रहे हैं।राष्ट्रीय विचार धारा ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।और राष्ट्रीय विचार धारा हमारा धर्म है। आज संघ का कार्य भारत में ही नहीं अपितु विदेशों में भी संघ की शाखाएं हैं यह सब स्वयंसेवकों की कठोर साधना से ही संभव हो पाया है भारत में भी कई संगठन खड़े हुए और समय के साथ समाप्त भी हो गए अब हमें संघ का कार्य को गांव-गांव और घर-घर ले जाने की आवश्यकता है आज आतंकवाद,उग्रवाद,धर्मांतरण के साथ साथ विरोधी ताकतों से निपटने के लिए हिंदू समाज को जागृत रहने की आवश्यकता है इसके साथ ही उन्होंने शस्त्र पूजन के महत्व को भी बताया गया।।

साधना सिंह जी चौहान भी विदिशा इस चल समारोह में शामिल हुए

प्रत्येक वर्ष अनुसार श्री सनातन हिंदू उत्सव समिति द्वारा मुख्य मार्गों से कल रात्रि में चल समारोह निकाला गया चल समारोह में केंद्र में कृषि मंत्री एवं विदिशा सांसद शिवराज सिंह जी चौहान एवं उनकी धर्मपत्नी श्री साधना सिंह जी चौहान भी विदिशा इस चल समारोह में शामिल हुए एवं अपने हाथों से झांकियां को पुरस्कार वितरण भी किया इस समारोह में प्रमुख रूप से विदिशा विधायक मुकेश टंडन जी जिला कोऑपरेटिव बैंक के पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा जी जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि कैलाश रघुवंशी जी नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश शर्मा जी श्री सनातन हिंदू सब समिति के अध्यक्ष नितिन माहेश्वरी जी एवं विकास तिवारी जी दीपक सक्सेना जी प्रशांत रघुवंशी जी राजेश राय जी बल्लू महाराज जी संतोष जैन डॉक्टर साहब यस रूप दांगी जी एवं सनातन हिंदू समिति के सदस्य भी उपस्थित थे

मालनपुर उद्योग क्षेत्र मालनपुर में सिक्योरिटी गार्ड की मौत

पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर

मालनपुर/ पुलिस थाना मालनपुर में मर्ग कायम कर। पोस्ट मार्टम स्वास्थ केन्द्र गोहद करा कर परिजनों को सोपी बॉडी थाना मालनपुर से मिली जानकारी से पत्ता चला है कि उधोग क्षेत्र मालनपुर में संचालित काम्पटन ग्रीस (सी जी पावर) कम्पनी में एस .आई. एस. सिम्यूरिटी की ड्यूटी पर तैनात था जो दशहरा के दिन 12 अक्टूबर को सुबह की पाली में ड्यूटी पर आया तो अचानक सुबह 10 बजे उसके कान में दर्द हुआ सिम्यूरिटी इंचार्ज ने तुरंत कम्पनी की एम्बुलेंस से शासकीय अस्पताल मालनपुर ले गए बहाँ चिकित्सकों ने ग्वालियर ले जाने को कहा इसके बाद मालनपुर में निजी अस्पताल में दिखाया परंतु डॉक्टर ने बताया कि ग्वालियर ले जाने को बोला जिसको फिर कंपनी वाले बिरला अस्पताल ग्वालियर में ले जाते ही जैसे ही डॉक्टरों ने चेक किया तो मृतक घोषित कर दिया देर शाम थाना मालनपुर में उसके परिजन भाई गोविंद पुत्र धन्नालाल आयु 40 वर्ष ने रिपोर्ट दर्ज कराई जिस पर थाना मालनपुर ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया और मृतक की बॉडी को गोहद शासकीय अस्पताल में पी एम करने के बाद परिजनों को सौंप दी सिक्योरिटी अधिकारी क्रम्पटन ग्रीस सी जी पावर ने बताया है कि कंपनी ने उसको दाह संस्कार हेतु एस आई एस सिक्योरिटी कंपनी द्वारा दस हजार नगद परिवार वालों को दिए और अपनी कंपनी की एंबुलेंस से उसके घर निजी निवास बजरंग कॉलोनी थाना देहात शिवपुरी के लिए भेज दिया गया बताया जाता है कि मृतक बुद्धराम पुत्र धन्नालाल उम्र 36 वर्ष जो कि शादीशुदा था जिसके एक पुत्री 6 माह एक पुत्र ढाई वर्ष पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चलेगा कि मृतक की मौत किन करण से हुई है यह जांच का विषय है।

सीरवी समाज ट्रस्ट शेरिलिंगमपल्ली हैदराबाद में माता रानी का विसर्जन किया गया

रिपोर्टर धनराज चौधरी, दैनिक पुष्पांजलि टुडे

सीरवी समाज ट्रस्ट द्वारा शेरिलिंगमपल्ली में माता दुर्गा का विसर्जन किया गया समाज भग्तो ने 9 दिन तक रंग बिरंगे परिधान में बच्चो से लेकर महिलाए तक डांडिया के साथ नृत्य किया और कल माता जी का विसर्जन किया गया महिलाए ने मारवाड़ी गाने पर नृत्य करते हुए बजे के साथ विजर्जन के लिए लेकर गय करियाकता ने बड सड़ कर भाग लिया फिर दिन में महा प्रसाद का रखा गया जिस मे समाज के भाई बहनों ने प्रसाद लिया और नवरात्रि कार्य का सम्पन किया गया।

बिबवेवाड़ी वडेर में डांडिया गरबा में बच्चों ने दिखाया अपना हुनर, ईनाम से हुए सम्मानित

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

पुणे। सीरवी क्षत्रिय समाज बिबवेवाडी वडेर में माताजी के 9 वां दिन डांडीया खेलने के लिए बंडी सख्या मे भक्तो की भीडं रही। आखरी दिन अपने अपने ग्रूप सदस्यों ने गरबां कोपींटेसन मे भाग लिया। उसमें इनाम की घोषणा भी हुई थी। सुर्या इलेक्ट्रॉनिक की तरफ से बच्चों को प्रोताहित करने के लिए उनको एलएडी, वैक्यूम क्लिनियर, मिक्सर, और भी कई सारे गिफ्ट बाटे गए। सुर्या इलेक्ट्रॉनिक के प्रमुख रमेश लचेटा ने कहा कि बच्चों का बनोबल बढ़ाने के लिए और छोटे छोटे बच्चें जिन्होंने परफार्मेस

किया उस परफार्मेस को और आगे बढ़ावा देने के लिए उनको प्रोत्साहित किया गया। अन्त में बिबवेवाडी वडेर के अध्यक्ष हिरालाल राठौड़ अखिल भारतीय सीरवी महासभा महाराष्ट्र प्रान्त के सचिव रामलाल काग, उदयपुर छात्रावास के अध्यक्ष खिवराज परमार, सुर्या इलेक्ट्रॉनिक के प्रमुख रमेश लचेटा व महिला मडंल अध्यक्ष सगीता सीदरां, लिला, लेरी, पिकी, शांति सभी महिला मडंल का भी अच्छा सहयोग रहा एसपी. साहब ने नौ दिनो तक बहुत ही शानदार ऐकरीगं की बिबवेवाडी वडेर की पुरी कमेटी एवं युवा कमेंटी के अध्यक्ष मोहन परमार व उनकी पुरी टीम का भी विशेष सहयोग रहा ।कार्यक्रम सफल बनाने मे सभी का अच्छा सहयोग रहा अन्त में अध्यक्ष हिरालाल राठौड़ ने सभी का आभार व्यक्त किया। ये जानकारी जीवाराम सेप्टा ने दी।

सुथारो का गुड़ा में नवरात्रि महोत्सव का सम्पन्न हुआ

दैनिक पुष्पांजलि टूडे रिपोर्ट खंगारराम मुलेवा

पाली/देसुरी के अन्तर्गत रिर्पोटर छगनलाल प्रजापत के अनुसार बताया जा रहा है कि सुथारो का गुड़ा शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की आराधना के साथगली-मोहल्लों के पंडालों में गरबा महोत्सव सम्पन्न किया है। जिसमे रंग-बिरंगे परिधान में बच्चों से लेकर महिलाएं तक डॉडिया के साथ नृत्य करती नजर आ रही है। और गांव के सभी सहयोगी के मां अंबे मंदिर गरबा श्री चामुंडा माता के मन्दिर माता महाकाली का गरबा का आयोजन सम्पन्न हुआ जिसमे देशभर में शारदीय नवरात्रि उत्सव पूरे उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। नौ दिवसीय इस उत्सव के पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा की जाती है। पुराणों के अनुसार वह भगवान स्कंद की माता थीं इसलिए उन्हें स्कंदमाता के नाम से जाना जाता है। जिसमे धनदास जी वैष्णव,छगनलाल प्रजापत, नरेश गेहलोत, मदन सरगरा, नारायण डांगी, ताराचंद प्रजापत, श्रवण डांगी, रमेश डांगी, प्रकाश डांगी, रतन डांगी, महेंद्र डांगी, भावेश डांगी, नेकराम डांगी, कैलाश डांगी, जितेंद्र भवंशा, प्रवीण भवंसा, किशन जाट, कमल होटल हिमतारामजी प्रजापत, अशोक प्रजापत,

संपादक की कलम से

पूरा क्यों नहीं हो पा रहा जंगल बचाने का संकल्प?

साल 2021 में 140 देशों ने जंगलों की कटाई बंद करने का संकल्प लिया था. इसके बावजूद जंगल खत्म हो रहे हैं. आखिरकार जंगलों की हिफाजत करने का संकल्प पूरा क्यों नहीं हो पा रहा है?

एक तरफ जलवायु परिवर्तन का असर तेजी से बढ़ रहा है, तो वहीं दुनियाभर में जंगल नष्ट हो रहे हैं. हाल ही में जारी 'स्टेट ऑफ फॉरेस्ट्स' रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल दुनियाभर में लातविया देश के बराबर का वन्यक्षेत्र नष्ट हो गया. यह रिपोर्ट शोध संस्थानों और नागरिक समूहों ने मिलकर प्रकाशित की है.

जंगल के सबसे बड़े हिस्से का नुकसान जिन देशों में हुआ है उनमें ब्राजील, इंडोनेशिया, बोलिविया और डेमोक्रैटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो शामिल हैं. अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका और कैरेबियन में जंगलों के नष्ट होने के प्राथमिक कारणों में खेती, सड़क निर्माण, आग और व्यावसायिक कटाई शामिल हैं.

साल 2021 में ग्लास्गो में हुए संयुक्त राष्ट्र के 26वें जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में 140 से अधिक देशों ने जंगलों की कटाई बंद करने का संकल्प लिया था. हालांकि, यह संकल्प बहुत प्रभावी नहीं दिख रहा है. हालिया आंकड़े दिखाते हैं कि सिर्फ पिछले साल ही 63.7 लाख हेक्टेयर जंगल खत्म हो गए. 'फॉरेस्ट डेक्लरेशन असेसमेंट' ने भी जानकारी दी कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तय किए गए लक्ष्य हासिल करने के लिए वनों की कटाई को जितने पर सीमित किए जाने की जरूरत है, उससे भी 45 प्रतिशत अधिक जंगल काटे जा रहे हैं. यानी इस दिशा में हो रहे प्रयास पर्याप्त और प्रभावी नहीं हैं.

पिछले 50 साल में कितनी "बीमार" हुई कुदरत?

भारत में भी स्थिति में सुधार नहीं

डॉ. सुदेश वाघमारे मध्य प्रदेश में उप वन संरक्षक रह चुके हैं. डीडब्ल्यू हिन्दी से बातचीत में उन्होंने बताया कि इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत में लगातार जंगलों की कटाई हो रही है. वह बताते हैं, "भारत में वनों की कटाई के चार प्रमुख आधिकारिक कारण हैं. कोयला या खनिज के खनन के लिए, सिंचाई परियोजनाओं के लिए, सड़क निर्माण के लिए या फिर ट्रांसमिशन (विद्युत आपूर्ति) के लिए जंगल की जमीन इस्तेमाल की जाती है. इसके अलावा अनाधिकारिक अतिक्रमण और अवैध रूप से जंगलों के काटने के कारण भी डिफॉरेस्टेशन हो रहा है."

सुदेश वाघमारे जोड़ते हैं, "जंगल के नजदीक या फिर अंदर रहने वाले लोग लगातार अतिक्रमण बढ़ाते जा रहे हैं. इनमें से महज 25 प्रतिशत मामले ही रिपोर्ट किए जाते हैं. अतिक्रमण के 75 फीसदी मामलों की कोई आधिकारिक रिपोर्ट सामने नहीं आती."

'फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया' भारत के वन आवरण का मूल्यांकन करता है. भारत राज्य वन रिपोर्ट (आईएसएफआर) की 2021 की रिपोर्ट बताती है कि 2019 से 2021 के दौरान भारत में 721 वर्ग किलोमीटर जंगलों की वृद्धि हुई. इसका अर्थ है कि इस दौरान वृक्ष आवरण में कोई भी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन ये आंकड़े कितने विश्वसनीय हैं यह अभी भी सवालों के घेरे में है. इस बारे में डॉ. सुदेश वाघमारे कहते हैं कि सरकार की तरफ से होने वाले सर्वे में सैटेलाइट द्वारा मैपिंग की जाती है और इनमें कई बार गन्ने या अरहर के बड़े खेतों और निजी बागानों को भी जंगलों में शामिल कर लिया जाता है. ऐसे में वन आवरण की पुष्टि का ये तकनीकी तरीका सही नहीं माना जा सकता.

1980 से 2021 के बीच 40 वर्षों में जंगल की 9.9 लाख हेक्टेयर जमीन गैर-वनीय कार्यों के लिए उपयोग की गई. वहीं, 2008 से 2023 के बीच के बीच 15 वर्षों में जंगलों की लगभग 60 हजार हेक्टेयर जमीन कोयला और खनिज खनन के लिए, 45 हजार हेक्टेयर जमीन सड़क के लिए, 36 हजार हेक्टेयर जमीन सिंचाई परियोजनाओं और 26 हजार हेक्टेयर जमीन ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट के लिए दी गई. इस लिहाज से देखा जाए तो जंगल का एक बड़ा हिस्सा नॉन-फॉरेस्ट्री कामों में इस्तेमाल किया जा रहा है.

वन क्या है? भारत की परिभाषा पर सवाल उठाते पर्यावरणविद

जंगल बचाने पर पुनर्विचार जरूरी

'स्टेट ऑफ फॉरेस्ट्स' रिपोर्ट के अनुसार, 'जीरो डिफॉरेस्टेशन' की दिशा में की गई प्रगति को निर्धारित अंतरिम लक्ष्य 2030 के जरिए ट्रैक किया गया. इसकी तुलना आज के जंगलों के कटने की दर से की गई. पाया गया कि उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में लगभग 96 प्रतिशत जंगलों की कटाई हुई है और कमोबेश ये सभी क्षेत्र अपने सालाना लक्ष्य को पूरा कर पाने में असफल रहे. 2023 में सिर्फ ओशीनिया के द्वीप और ऑस्ट्रेलिया के उत्तर और पूर्व में प्रशांत क्षेत्र के देशों ने यह लक्ष्य पूरा किया.

रिपोर्ट के मुख्य लेखक और 'क्लाइमेट फोकस' संस्था के ईवान पामेजियानी ने समाचार एजेंसी डीपीए से कहा, "बदलाव संभव है, लेकिन औद्योगिक देशों को (संसाधनों के) अत्यधिक उपभोग पर पुनर्विचार करना चाहिए और वन-समृद्ध देशों की अपने वनों के संरक्षण की कोशिशों में उनका साथ देना चाहिए."

धरती के फेफड़े अमेजन को बचाना क्यों जरूरी है

दुनिया में जंगलों की कटाई की दर सबसे ज्यादा ब्राजील में दर्ज की गई है. हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार पूर्ववर्ती राष्ट्रपति बोल्सोनारो के कार्यकाल की तुलना में वर्तमान राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की सरकार इस दिशा में बेहतर प्रदर्शन कर रही है. सिल्वा के कार्यकाल में जंगलों की कटाई कम हुई है. पिछले साल ब्राजील में अमेजन जंगलों की कटाई की दर में 2022 की अपेक्षा 62% तक की कमी दर्ज की गई।

एवरेस्ट पर हुई इस खोज से क्या सुलझेगी एक सदी पुरानी पहेली

एवरेस्ट पर पहली बार कौन चढ़ा? क्या हिलरी और तेनजिंग एवरेस्ट समिट करने वाले पहले नहीं थे? नैशनल जियोग्राफिक की एक टीम ने एवरेस्ट पर कुछ ऐसा खोज निकालने का दावा किया है, जो एक सदी पुराने इस रहस्य को सुलझा सकता है.

ठीक एक सदी पहले की बात है. साल 1924, जून का महीना. दुनिया की सबसे ऊंची चोटी 'माउंट एवरेस्ट' पर सबसे पहले पांव धरने की ब्रिटिश महत्वाकांक्षा का बोझ उठाए एक एक्सपीडिशन टीम मिशन पर थी. इस टीम को समुद्र तल से 29,032 फीट ऊपर माउंट एवरेस्ट पर पहुंचना था.

बाकी हिमालय से ज्यादा तेजी से क्यों बढ़ रहा है एवरेस्ट

पहले के दो नाकाम अभियानों के बाद यह पर्वतारोहियों का तीसरा दल था. नौ लोगों के इस दल में थे जॉर्ज मेलोरी (टीम लीडर), एडवर्ड नॉर्टन, नोएल ओडेल, जॉन मैकडॉनल्ड, एडवर्ड ओ. शेबेअर, जेफरी ब्रूस, टी. हॉवर्ड सॉमरवेल, बेंटले बीथम और एंड्रू 'सैंडी' इरविन.

8 जून 1924 की उस दोपहर को क्या हुआ था?

एवरेस्ट चोटी के रास्ते में एक तंग घाटी है, ग्रेट (नॉर्टन) कुलुआ. यह एवरेस्ट के नॉर्थ फेस की ओर है. 8 जून 1924 को दोपहर बाद एक्सपीडिशन टीम के दो सदस्य, मैलरी और इरविन, इसे पार कर चुके थे कि जब मौसम अचानक से खिल गया. बादल छंट गए और पहाड़ के ऊपर का हिस्सा साफ दिखने लगा.

यहां तक कि नॉर्थईस्ट रिज के 'थ्री स्टेप्स' की पहली सीढ़ी भी नजर आ रही थी. ये जगह लगभग 28,097 फीट की ऊंचाई पर है. फिर कुछ ही मिनटों में मौसम एकदम से बदला और घने बादल लौट आए.

टीम के सदस्य नोएल ओडेल इस वक्त मैलरी और इरविन से करीब 1,000 फीट नीचे थे. वो एक चक्करदार रास्ते से कैंप छह से होते हुए ऊपर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे. वहां एक खड़ी चढ़ाई वाली चट्टान थी, जिसपर चढ़े ओडेल ने मौसम को एकाएक फिर साफ होते देखा.

अब ओडेल को चोटी तक का पूरा रास्ता नजर आ रहा था. वह फर्स्ट और सेकेंड स्टेप दोनों को देख पा रहे थे... और फिर ओडेल ने जो देखा, वो लम्हा ना केवल उन्हें उम्रभर याद रहने वाला था, बल्कि एवरेस्ट के इतिहास में सबसे बड़ा रहस्य भी बनने वाला था. इस लम्हे पर अनगिनत किताबें, असंख्य बहसें होने वाली थीं.

राहुल के खिलाफ साथ खड़े मोदी-भागवत

–प्रो. रविकांत

हरियाणा चुनाव नतीजे में भारतीय जनता पार्टी की जीत से ज्यादा कांग्रेस पार्टी की हार पर चर्चा हो रही है। कारपोरेट मीडिया से लेकर यूट्यूब चैनलों पर कांग्रेस पार्टी की अंदरूनी खींचतान, ईवीएम में गड़बड़ी और राहुल गांधी के नेतृत्व को लेकर चर्चाएं आयोजित की जा रही हैं। यह भी आश्चर्यजनक है कि राहुल गांधी ना तो कांग्रेस के अध्यक्ष हैं और ना ही हरियाणा के प्रभारी, फिर भी निशाने पर राहुल गांधी हैं।

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं। चुनावी नतीजों की चर्चा में जोर हरियाणा पर है। जबकि जम्मू-कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी चुनाव हारी है। वहां पर नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस पार्टी के इंडिया गठबंधन ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया है। जम्मू-कश्मीर में धारा 370 खत्म होने (5 अगस्त 2019) के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव था। लोकतंत्र की बहाली के लिए हुए चुनाव में भाजपा सरकार द्वारा धारा 370 खत्म करने के फैसले को एक तरह से जम्मू-कश्मीर की जनता ने खारिज कर दिया है। नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस पार्टी के गठबंधन का मुख्य मुद्दा पूर्ण राज्य का दर्जा वापस दिलाना था। जबकि भाजपा सिर्फ परिवारवाद के खिलाफ चुनाव लड़ रही थी। हरियाणा की तरह जम्मू-कश्मीर में भी भाजपा तमाम अघोषित सहयोगियों के भरोसे चुनाव मैदान में थी। भाजपा यहां नए परिसीमन का फायदा उठाना चाहती थी। लेकिन जम्मू-कश्मीर में बीजेपी चुनाव हार गई। आश्चर्य यह है कि जम्मू -कश्मीर में भाजपा की हार और कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस की जीत की कोई चर्चा नहीं हुई। दिलचस्प यह भी है कि जम्मू-कश्मीर में जीत का जश्न मनाने के बजाय इंडिया एलायंस के सहयोगी दल कांग्रेस पर हमलावर हो गए।

दूसरी तरफ हरियाणा चुनाव जीतने के बाद नरेंद्र मोदी ने अपने दरकते ब्रांड को पुनः पुष्ट करने के लिए भाजपा कार्यालय में अपने चिर-परिचित अंदाज में जश्न मनाया। गुलाब की पंखुड़ियों की आकाश वर्षा के बीच पूरे राजसी अंदाज में कदमताल करते हुए नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी और खासकर राहुल गांधी पर जोरदार हमला किया। जाहिर तौर पर यह हमला आने वाले महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव को लक्षित करके किया गया है।

हरियाणा चुनाव नतीजे में भारतीय जनता पार्टी की जीत से ज्यादा कांग्रेस पार्टी की हार पर चर्चा हो रही है। कारपोरेट मीडिया से लेकर यूट्यूब चैनलों पर कांग्रेस पार्टी की अंदरूनी खींचतान, ईवीएम में गड़बड़ी और राहुल गांधी के नेतृत्व को लेकर चर्चाएं आयोजित की जा रही हैं। यह भी आश्चर्यजनक है कि राहुल गांधी ना तो कांग्रेस के अध्यक्ष हैं और ना ही हरियाणा के प्रभारी, फिर भी निशाने पर राहुल गांधी हैं। हां,यह जरूर है कि वह कांग्रेस पार्टी के स्टार प्रचारक और सबसे ताकतवर नेता हैं। लेकिन इस बात को नजरअंदाज किया जाता है कि राहुल गांधी आज देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। विपक्ष ही नहीं बल्कि नौजवानों, किसानों, दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के लिए राहुल गांधी सबसे बड़ी उम्मीद हैं। ऐसे में राहुल गांधी को हरियाणा की हार का जिम्मेदार बताकर भाजपा और कारपोरेट मीडिया उन उम्मीदों को प्रश्नांकित करना चाहता है। जबकि सच्चाई यह है कि केवल 90 सीटों की विधानसभा वाले राज्य हरियाणा में कांग्रेस की हार से राहुल गांधी की छवि, उनकी विश्वसनीयता और लोकप्रियता पर कोई असर नहीं होने वाला। लेकिन कांग्रेस पार्टी के सांगठनिक ढांचे, हरियाणा के नेताओं की खींचतान और भूपेंद्र सिंह हुड्डा के मनमानेपन ने कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया है। जाहिर तौर पर हरियाणा चुनाव के प्रभारी, पर्यवेक्षक और पार्टी के संगठन सचिव से लेकर हरियाणा कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की नाकामी की वजह से कांग्रेस पार्टी ने चुनाव गंवाया है।

हरियाणा चुनाव नतीजों के जरिए राहुल गांधी पर हो रहे हमले के क्या मायने है? क्या हरियाणा की हार से राहुल गांधी की जननेता की छवि ध्वस्त हो गई है? राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा से लेकर लोकसभा चुनाव तक जो अपनी विश्वसनीयता और लोकप्रियता हासिल की है, क्या हरियाणा चुनाव में कांग्रेस की हार से खत्म हो जाएगी? दरअसल, इस तरह का परसेप्शन गोदी मीडिया और आईटी सेल के जरिए बनाया जा रहा है। यह धारणा क्यों बनाई जा रही है, इसे समझना भी बहुत मुश्किल नहीं है। जाहिर तौर पर नरेंद्र मोदी को इस समय सबसे ज्यादा खतरा राहुल गांधी से है। इससे पूर्व आरएसएस और गुजरात लॉबी के बीच टकराव की खबरें चल रही थीं। माना जाता है कि आरएसएस मोदी और शाह के पर कतरना चाहता है। इसलिए नरेंद्र मोदी को खतरा आरएसएस से है। लेकिन सच यह है कि आरएसएस मोदी का अपना घर है। आरएसएस कभी इस तरह का कदम नहीं उठाएगा जिससे भारतीय जनता पार्टी को नुकसान हो। आखिर नरेंद्र मोदी ने आरएसएस के एजेंडे को हर तरह से लागू किया है।

अल्पसंख्यकों को अघोषित दोयम दर्जे का नागरिक बनाने से लेकर दलितों -पिछड़ों के आरक्षण को अप्रत्यक्ष तरीके से खत्म करके और पुनः मनुवादी व्यवस्था लागू करने की दिशा में नरेंद्र मोदी बढ़ चुके हैं। लोकसभा चुनाव में किया गया संविधान बदलने का ऐलान, दरअसल, आरएसएस का ही पुराना एजेंडा है।

इसलिए मोहन भागवत कभी भी नरेंद्र मोदी के लिए खतरा नहीं बन सकते। भाजपा, आरएसएस और मोदी के लिए आज सबसे बड़ी चुनौती व्यक्ति के तौर पर राहुल गांधी हैं। आज जहां कांग्रेस पार्टी खड़ी है उसमें एकमात्र और सबसे बड़ी भूमिका राहुल गांधी की है। राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी को फिर से लोगों की उम्मीद बनाकर खड़ा किया है। यह राहुल गांधी के संघर्ष और लगातार मोदी सत्ता से जूझते रहने का ही नतीजा है। राहुल गांधी जवाहरलाल नेहरू के बाद कांग्रेस पार्टी के इकलौते नेता हैं जो आरएसएस को खुलकर चुनौती ही नहीं दे रहे हैं बल्कि उससे निपटने के लिए तैयार भी हैं। यही वजह है कि जब मामला राहुल गांधी का होगा तो मोहन भागवत और नरेंद्र मोदी एक साथ खड़े नजर आएंगे।

हरियाणा में कांग्रेस पार्टी की हार के लिए राहुल गांधी को जिम्मेदार बताया जा रहा है। इसके जरिए यह भी कहा जा रहा है कि नरेंद्र मोदी के मुकाबले राहुल गांधी नहीं टिक सकते। जबकि सच्चाई यह है कि हरियाणा चुनाव प्रचार के दौरान नरेंद्र मोदी भीड़ नहीं खींच पाने के कारण केवल चार रैलियां करके खामोश हो गए। चुनाव प्रचार के अंतिम दो दिन तो उन्होंने हरियाणा जाने की हिम्मत भी नहीं की। इसके बरक्स राहुल गांधी लगातार चार दिन अपनी विजय संकल्प यात्रा करते रहे। राहुल गांधी की यात्रा और रैलियों में बहुत भीड़ जुटती रही। इनमें उन्होंने बुनियादी मुद्दों को उठाया और हरियाणा के लोगों के विकास का एजेंडा प्रस्तुत किया। उन्होंने विभाजनकारी धर्म आधारित सांप्रदायिक राजनीति का डटकर मुकाबला किया। प्रेम, सौहार्द और सबको साथ लेकर चलने का उन्होंने वादा किया। किसानों और नौजवानों के सवालों के साथ सामाजिक न्याय के मुद्दों को राहुल गांधी पूरी ईमानदारी और निष्ठा से उठाते रहे हैं। सच बात यह है कि नफरत, हिंसा और पाखंड से बाहर निकालकर भारत की राजनीति को राहुल गांधी ने मानवीय और संवेदनशील बनाया है।

किसानी को महिलाएं ही बचा सकती हैं

– बाबा मायाराम

मिट्टी की बड़ी कोठियों में, लकड़ी के पटाव पर, मिट्टी की हंडी में व ढोलकी में बीज रखे जाते थे। इसके अलावा, तूमा (लौकी की एक प्रजाति) बांस के खोल में बीजों का भंडारण किया जाता था। इसी प्रकार, बीजों को धूप में सुखा कर, कोठी या भंडारण के स्थान पर धुआं किया जाता था, जिससे पतंगे या घुन नहीं लगता। कीड़ों से बचाव के लिए लकड़ी या गोबर से जली राख या रेत भी बीजों में मिलाते हैं।

परंपरागत खेती-किसानी का अधिकांश कार्य महिलाओं पर निर्भर रहा है। वे खेत में बीज बोने से लेकर उनके संरक्षण, संवर्धन और भंडारण तक का काम बड़े जतन से करती हैं। पशुपालन से लेकर विविध तरह की हरी सब्जियां व फलदार वृक्ष लगाना व उनके परवरिश का काम करती हैं। जंगलों से फल-फूल, पत्ती के गुणों की पहचान करना व संग्रह करने में उनकी प्रमुख भूमिका रही है। वे जैव विविधता की संरक्षक रही हैं। आज इस कॉलम में खेती में उनके योगदान को याद करना चाहूंगा, जिससे अभूतपूर्व संकट के दौर से गुजर रही खेती को समझा जा सके, बचाया जा सके।

मैंने पिछले कुछ बरसों से देश भर में घूम-घूमकर खेती को नजदीक से देखा-समझा है। किसानों के खेतों में गया हूं और उनसे मिलकर खेती के बारे में जाना है। महिला किसानों से भी चर्चा की है। इस आधार पर खेती में उनके योगदान पर कुछ बातें कही जा सकती हैं। कड़कड़ाती ठंड हो या मूसलाधार बारिश या फिर चिलचिलाती तेज धूप महिलाएं सभी परिस्थितियों में खेती का काम करती रही हैं। खेती के विकास में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, भोजन के लिए ईंधन जुटाना, खाना बनाना, मवेशियों को खेतों से घास लाना, खेतों में काम करने जाना और फिर खेत से आकर घर का काम करना आदि उनकी जिम्मेदारियों में शामिल है।

निंदाई-गुड़ाई के दौरान विजातीय पौधे और खरपतवार को फसल से अलग करना भी उनके काम का हिस्सा हुआ करता था। जब पौधों में फूल आ जाते हैं तब वे ऐसे विजातीय पौधों को आसानी से पहचान कर अलग कर देती थीं। कुछ फसलों में निंदाई-गुड़ाई तीन-चार बार करनी पड़ती थी। यह काम भी वे करती थीं। लेकिन अब नींदानाशक आने से उनकी भूमिका कम हो गई है।

इसके अलावा, बीजों के चयन में उनकी खास भूमिका होती थी। पहले खेतों में ही बीजों का चयन हो जाता था, इसमें देखा जाता था कि सबसे अच्छे स्वस्थ पौधे कि खेत में हैं। किस खेत के हिस्से में अच्छी बालियां हैं। वहां किसी तरह के कमजोर और रोगी पौधे नहीं होने चाहिए। अगर ऐसे पौधे फसलों के बीच होते थे तो उन्हें हटा दिया जाता था। फिर अच्छी बालियों को छांटकर उन्हें साफ कर और सुखा लिया जाता था। इसके बाद बीजों का भंडारण किया जाता था। इन सब कामों में महिलाओं की प्रमुख भूमिका होती थी।

बीज भंडारण, पारंपरिक खेती का एक अभिन्न हिस्सा है। अलग-अलग परिस्थिति और संस्कृति के अनुरूप किसानों ने बीजों की सुरक्षा के कई तरीके और विधियां विकसित की हैं। मक्का के बीज को घुन और खराब होने से बचाने के लिए चूल्हे के ऊपर छींके पर रखते हैं और सतपुड़ा अंचल में खुले में मक्के के भुट्टे को खंबे को छिलका समेत उल्टे लटका कर रखते हैं। छिलका बरसाती या छाते का काम करता है और बारिश का पानी भी उन्हें खराब नहीं कर पाता।

मिट्टी की बड़ी कोठियों में, लकड़ी के पटाव पर, मिट्टी की हंडी में व ढोलकी में बीज रखे जाते थे। इसके अलावा, तूमा (लौकी की एक प्रजाति) बांस के खोल में बीजों का भंडारण किया जाता था। इसी प्रकार, बीजों को धूप में सुखा कर, कोठी या भंडारण के स्थान पर धुआं किया जाता था, जिससे पतंगे या घुन नहीं लगता। कीड़ों से बचाव के लिए लकड़ी या गोबर से जली राख या रेत भी बीजों में मिलाते हैं।

बीज के अभाव में बीजों का आदान-प्रदान हुआ करता था। कई बार महिलाएं उनके मायके से ससुराल बीज ले आती थीं। और कुछ हद तक यह सिलसिला अब भी जारी है। खासतौर से सब्जियों के बीज की अदला-बदली रिश्तेदार और परिवारजनों में होना आम बात थी।

कैसे "डीप स्टेट" भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल है

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

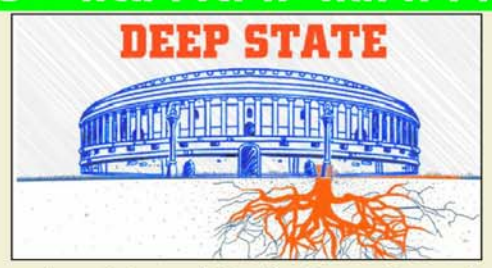

भारत में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा किया और भारत में अल्पसंख्यकों के लिए चिंता व्यक्त की। इसके तुरंत बाद, अमेरिकी विदेश विभाग के यूएससीआईआरएफ (वरउकफ-ऋ) संस्था ने भारत पर एक विशेष रिपोर्ट जारी की, जिसका शीर्षक था "भारत में अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ते दुर्व्यवहार।" यह पश्चिमी देशों द्वारा परिभाषित और निर्मित "डीप स्टेट" का एक उदाहरण है। ऐसी एजेंसियों को पक्षपाती व्यक्तियों को नियुक्त करते देखना काफी निराशाजनक और शर्मनाक है जो मानवता की कीमत पर व्यक्तिगत लाभ के लिए काम करते हैं। जब भारत की बात आती है, तो वे ऐसी कहानियाँ गढ़ते हैं जो सच्चाई से कोसों दूर होती हैं ताकि मानवता के विकास के लिए लड़ने वाली हिंदुत्व सरकारों और संगठनों को बदनाम किया जा सके। साथ ही, वे बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में अल्पसंख्यकों के खिलाफ किए गए भयानक अपराधों के प्रति अंधे हो जाते हैं। उनमें संयुक्त राज्य अमेरिका में नस्लवाद के सबसे बदसूरत पहलुओं का सामना करने का साहस नहीं है। वे 1990 में कश्मीर घाटी में हिंदुओं के नरसंहार, शहरी नक्सलियों, विदेशी वित्त पोषित कई गैर सरकारी संगठनों, पाकिस्तान और चीन के समर्थन से आतंकवादियों और नक्सलियों द्वारा हजारों निर्दोष नागरिकों और सैनिकों की हत्या, हिंदू मानसिकता में जहर भरकर हिंदुओं को ईसाई धर्म में परिवर्तित करने और "सर तन से जुदा" के नारे के साथ हिंदुओं पर पत्थरबाजी और हत्या को व्यवस्थित रूप से भूल जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली वही सरकार "सबका साथ, सबका विकास" के नारे के तहत काम कर रही है और अल्पसंख्यक केंद्र सरकार की वित्तीय और सामाजिक विकास परियोजनाओं के प्राथमिक लाभार्थी हैं। हालाँकि, "डीप स्टेट" कभी भी सकारात्मक विशेषताओं को उजागर नहीं करेगा क्योंकि यह वैश्विक बाजार की मतलबी ताकतों की संभावनाओं को खतरे में डाल देगा जो व्यक्तिगत लाभ के लिए पूरी दुनिया पर नियंत्रण करने और दुनिया भर में एक महाशक्ति के रूप में पहचाने जाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। पिछले दशक के दौरान वैश्विक स्तर पर भारत के उदय ने भी इन ताकतों को बहुत दुखी किया है। इसलिए वे भारत को अस्थिर करने के इरादे से नियमित रूप से एक भारतीय व्यक्ति को तैनात करते हैं। भारत के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के दौरान, एक ऐसा ही अस्थिर करने वाला बहुरूपीया तयार किया गया था जिसने शाहीन बाग और नकली किसान आंदोलन जैसे हिंसक विरोधों का समर्थन किया था जिसका इस्तेमाल असंतोष को भड़काने के लिए किया गया था। एक और बनने वाला है जो मुख्य रूप से लद्दाख से है। इनमें से कई बंदी व्यक्ति समाज और राष्ट्र के लिए खतरा बन जाते हैं। लोगों को सामाजिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी के पीछे मौलिक, हानिकारक प्रेरणाओं को समझना चाहिए।

अगर हम छाया के इस धुंधले खेल में खिलाड़ियों की पहचान नहीं कर सकते या उनकी मंशा को नहीं समझ सकते तो बाधाओं को कम करना व्यावहारिक रूप से असंभव हो जाता है। हम अक्सर पश्चिमी 'डीप स्टेट' और विदेशी लॉबी के बारे में सुनते हैं जो भारत के 'हिंदू विचारधारा से राष्ट्रहित' शासन का विरोध करते हैं, लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को कमजोर करने या यहां तक कि चुनावी नतीजों को प्रभावित करने का प्रयास करते हैं। बीबीसी दशार्ता है कि अधिकांश ब्रिटिश लोग भारत के बारे में क्या सोचते हैं; उनमें श्रेष्ठता की भावना है और वे भारत को जाति, गाय और करी के रूप में स्टीरियोटाइप करने का आनंद लेते हैं। वे अब भविष्य के हमलों को सही ठहराने के लिए झूठे अत्याचार साहित्य (मानव अधिकारों के साथ) बना रहे हैं। विडंबना यह है कि उनका खुद का मानवाधिकार रिकॉर्ड सबसे खराब है। विदेशी प्रभाव के लिए कोई मानक पैटर्न नहीं है। इसके अस्पष्ट चरित्र को देखते हुए, भारत जैसे खुले लोकतांत्रिक देश में विमर्श युद्ध का मुकाबला करना बहुत अधिक चुनौतीपूर्ण है, जिसमें एक लोकतांत्रिक राजनीतिक प्रणाली, एक जटिल, जीवंत राजनीति और तर्क और चर्चा की एक विवादास्पद परंपरा है। मुख्य भय यह है कि प्रत्येक दिन बीतने के साथ, अलमारियों में बंद कंकालों के रूप में "भारतीयत्व" के खिलाफ उनके गलत काम एक-एक करके बाहर आ रहे हैं, जिसकी उन्होंने कभी सपने में भी कल्पना नहीं की थी।

पश्चिमी देश भारत विरोधी गतिविधियों में तेजी से शामिल हो रहे हैं

हाल ही में अमेरिकी गतिविधियों के अनुसार, बाइडेन प्रशासन के कुछ सदस्यों ने गलत मंशा के साथ स्थिति पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है और भारत को एक खतरा मान लिया है, जबकि इससे पहले कि रिश्ते और पनपें। क्या वे चीन में व्यक्तिगत व्यावसायिक हितों के लिए भारतीय अमेरिकी सहयोग को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं, या इसके पीछे कोई और कारण है? यह तो समय ही बताएगा। चूंकि ये कार्य अमेरिकी राष्ट्रीय हितों के विपरीत हैं, इसलिए वे 20 वर्षों से चली आ रही एक अच्छी तरह से तैयार की गई साझेदारी को खतरे में नहीं डालेंगे, केवल भारतीय अधिकारियों द्वारा कही गई कुछ बातों के कारण। यह सर्वविदित है कि भारत-अमेरिका संबंध 50 वर्षों से अधिक समय तक स्थिर नहीं रहे हैं; हालाँकि, दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान मार्च 2000 में राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की भारत यात्रा ने संबंधों में एक नए अध्याय की शुरूआत की। उसके बाद दोनों देशों ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। तो, लगभग हर पश्चिमी देश में अपरिहार्य भारत के खिलाफ अचानक भारत विरोधी गतिविधि का उन्माद क्यों है? उनके प्रकाशनों में फर्जी लेख, यूनाइटेड किंगडम में हिंदुओं के खिलाफ आतंकवाद और दंगे, यूनाइटेड किंगडम और कनाडा में खालिस्तान एजेंडे को आगे बढ़ाना, तथा कश्मीर मुद्दे के समाधान के लिए जर्मनी की हास्यास्पद और दुलमुल मांग, ये सभी भारत विरोधी गतिविधियों में वृद्धि के मजबूत संकेत हैं।

डीप स्टेट भारतीय चुनावों को कैसे प्रभावित करता है

डिसइन्फो लैब के शोध के अनुसार, उदारवादी 'परोपकार' निधि को विभिन्न मोर्चों, थिंक टैंकों, पश्चिमी मीडिया आउटलेट्स और फ्रांस और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों में शिक्षाविदों के सदस्यों को मैक्रो, माइक्रो और मेटा कथाओं की सुनामी के माध्यम से भारत में सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित करने और मतदाता मानसिकता को प्रभावित करने के लिए पंप किया गया है। उनके निष्कर्षों के अनुसार, फंडिंग पैटर्न भारतीय चुनावी प्रक्रिया और भारतीय लोकतंत्र की वैधता को कम करने के प्रयास को दशार्ता है, जो दुनिया का सबसे बड़ा है, जिसमें हाल ही में करोडो भारतीय अपने मताधिकार का उपयोग करते दिखाई दिये।

भारत में डीप स्टेट ने जमीनी स्तर पर प्रवेश किया है, जो कट्टरपंथी इस्लामी समूह खुद के बच्चे और कुछ हिंदू युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की नीति को पूरा करने की एक बड़ी योजना का लाभ उठा रहा है। विभिन्न राज्यों के आम नागरिकों से मिलकर बने समाज के वर्गों का उपयोग निम्नलिखित कारणो के लिए किया जा रहा है: फर्जी विमर्श तयार करना, युवाओं का ब्रेनवॉश करना। विभिन्न तरीकों को अपनाते हुए बड़ी रणनीति के क्रियान्वयन का नेतृत्व करने के लिए शुरूआत में ही आम लोगों को चुना गया जो देश के खिलाफ षड्यंत्र का हिस्सा बने।

भारतीयों को बेहद सावधान रहने की जरूरत है। क्योंकि पश्चिम ने पहले ही उनका दिमाग ब्रेनवॉश कर दिया है, इसलिए बहुत से भारतीय अब हीन भावना और विदेशी एनजीओ के प्रायोजन के कारण उनके प्रचार पर विश्वास करते हैं। मनोरंजन, समाचार मीडिया और शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से किसी देश को सामाजिक रूप से डिजाइन करना अब काफी सरल है। राष्ट्र दूसरे राष्ट्रों से ईर्ष्या करते हैं, खासकर उनसे जो परिपक्व हो रहे हैं और स्वतंत्रता का प्रदर्शन कर रहे हैं, उनके अपने लक्ष्य भी हैं। उदाहरण के लिए, आईएसआईएस भारत को "उम्माह" में शामिल करना चाहता है। पश्चिमी शक्तियां भारत को एक ईसाई देश में बदलना चाहती हैं।

दुष्टों के नाश के लिए शास्त्र के साथ शस्त्र की जरूरत, रीवा में बोले राजेंद्र शुक्ल

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। देश सहित प्रदेश में विजयदशमी का उत्सव धूमधाम से बनाया जा रहा है। वहीं, रावण दहन का आयोजन भी किया जा रहा है। इसके अलावा जिलों में शस्त्रों का पूजन भी किया गया है। रीवा में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने विधि विधान के साथ शस्त्र पूजा की इस दौरान पुलिस महकमे के आला अफसर भी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने की शस्त्र पूजा–विजयदशमी के शुभ अवसर पर शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित प्रदेश के तमाम मंत्री और उच्च अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में शस्त्रों की पूजा की रीवा के पुलिस लाइन में आयोजित शस्त्र पूजा में डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल शामिल हुए उन्होंने शस्त्रों की पूजा कर शस्त्रों को माथे से लगाया इस दौरान पूजा स्थल पर उपस्थित पुलिस कर्मियों ने हर्ष फायर भी किया।

पुलिस के आला अफसर भी रहे उपस्थित–रीवा के पुलिस लाइन में आयोजित शस्त्र पूजन कार्यक्रम में वरिष्ठ आधिकारी आईजी महेंद्र सिंह सिकरवार, डीआईजी साकेत पाण्डेय, एसपी विवेक सिंह सहित एडिशनल एसपी व अन्य पुलिस आधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे

इस दौरान सभी लोगों ने शस्त्रों की पूजा की और शस्त्रों को प्रणाम किया है।

अधर्म पर धर्म की विजय का उत्सव है विजयदशमी–शस्त्र पूजन कार्यक्रम में शामिल होने आए उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मीडिया से चर्चा की इस दौरान उन्होंने देश और प्रदेश वासियों को विजयदशमी की शुभकामनाए दी उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विजयदशमी का पर्व अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। इस अवसर पर हमे संकल्प लेना है कि जो हमारे समाज में विकृतियां और कुरूतियां पनप रही हैं उनको समाज से दूर करना है।

दुष्टों के नाश के लिए शास्त्र के साथ शस्त्र की जरूरत–डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि विजयदशमी का पर्व भगवान राम से जुड़ा है। समाज की रक्षा के लिए शस्त्र और शास्त्र दोनों जरूरी है शास्त्र हमारी संस्कृति को बचाने का कार्य करते हैं, तो शस्त्र दुष्टों के विनाश करने के कार्य में आता है। उन्होंने कहा कि शस्त्र वास्तव में सज्जनों की रक्षा के लिए है और दुष्टों के संहार के लिए है।

दुर्गा मूर्ति विसर्जन के दौरान रीवा में बड़ा हादसा, 25 लोग घायल अस्पताल में भर्ती

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। ग्राम बिलवा कुर्मियान थाना गढ़ जिला रीवा से मूर्ति विसर्जन के लिए सतना जिले के चित्रकूट जा रहे यात्रियों से भरी पिकअप बगदरा घाटी में पलटा स्थानीय न्यूज़ चैनल के मुताबिक करीब 20 से 25 लोग घायल हो गए। चार से पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बेलवा कुर्मियान थाना गढ़ जिला रीवा से ग्रामीण मूर्ति विसर्जन करने पिकअप वाहन में सवार होकर चित्रकूट जा रहे थे। इस दौरान देर रात वाहन अनियंत्रित होकर बगदरा घाटी में पलट गया। इसी बीच रावण दहन और मूर्ति विसर्जन से वापस लौट रहे अनुविभागीय अधिकारी पुलिस चित्रकूट रोहित राठौर ने राहगीरों और साथ रहे बल की मदद से घायलों को तत्काल अपने ही साक्ष वाहन से जानकी कुंड अस्पताल में भर्ती कराया। बताया गया है कि यात्रियों से भरी पिकअप बगदरा घाटी में हुई सड़क दुर्घटना में करीब 20 से 25 लोग घायल हो गए हैं, जिनमें से चार से पांच लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भाजपा विधायक ने सरकार की सुविधाएं छोड़ी, सीएम की भी बात नहीं मानी

नशा माफिया को संरक्षण देने वाले पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की उठा रहे मांग

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। भाजपा के मऊगंज से विधायक प्रदीप पटेल एक बार फिर चर्चा में है। अब वह चर्चा में फिर

आ गए हैं। शासन द्वारा दी गई सुविधाएं उन्होंने छोड़ दी है। सुरक्षा व्यवस्था में लगे कर्मचारियों को वापस लौटा दिया है। रीवा से मऊगंज तक बस में सफर करने का एक वीडियो भी वायरल हुआ है। इस पर विधायक ने भी स्पष्ट किया है कि उन्हें जो सुरक्षा कर्मी दिए गए थे उन्हें वापस लौटा दिया है।

बता दें कि कुछ दिन पहले ही विधायक प्रदीप पटेल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसमें विधायक रीवा आईजी के चेंबर के बाहर दंडवत होते दिखाई दिए थे । इसके बाद मऊगंज पहुंचकर एडिशनल एसपी के सामने भी दंडवत हुए थे। यह पूरा मामला सुर्खियों में छाया हुआ था कि अब सुरक्षा कर्मियों को लौटा कर एक बार फिर विधायक प्रदीप पटेल चर्चा में आ गए हैं। जानकारी मिली है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस पूरे मामले में विधायक पटेल से बात की है जिस पर विधायक का कहना है कि उनके पूरे जिले में नशा माफिया का आतंक बढ़ता जा रहा है। इस पर कार्रवाई की मांग लेकर वह लगातार अधिकारियों के पास जाते रहे लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। विधायक ने आईजी और मऊगंज के एडिशनल एसपी पर खुला आरोप लगाया है। इसके बाद भी शासन द्वारा अब तक दोनों अधिकारियों को नहीं हटाया गया। जिसके चलते उन्होंने विरोध स्वरूप शासन की सुविधाएं वापस कर दिए हैं।

विधायक सिद्धार्थ के बयान से फिर मचा राजनीति घमासान

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिले में बीजेपी विधायक ने लैंड जिहाद का मुद्दा उठाया है. त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने लैंड जिहाद का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सड़कों पर तीन बाई तीन की चादर डालकर कब्जा किया गया है अवैध कब्जो पर कार्रवाई होनी चाहिए। त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने एक बार फिर सड़क पर बनी मजार के खिलाफ कार्रवाई को लेकर आवाज उठाई है. विधायक ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अवैध रूप से बनी मजार के खिलाफ कार्रवाई करने की बात लिखी है. विधायक ने लिखा है कि मैंने 10 दिन पहले रीवा शहर के अमहिया क्षेत्र में मजार का मुद्दा उठाया था।

जिला प्रसाशन से फिर कि मांग–विधायक ने कहा एक बार फिर प्रशासन से अनुरोध करता हूं कि जो अवैध कब्जा धीरे-धीरे बढ़कर सड़क पर आ गया है उसे हटाया जाए. उन्होंने लिखा कि इस तरह के लैंड जिहाद को रोका जाए ताकि आम आदमी को जाम की स्थिति से राहत मिल सके. विधायक

सिद्धार्थ ने कहा कि यह मुद्दा रीवा जिले का नहीं बल्कि पूरे प्रदेश का है सिरमौर चौक में बने हनुमान मंदिर को हटाया जा सकता है तो उसका मुख्य द्वार भी बदला जा सकता है। इस तरह से बनी मजार पर कार्रवाई क्यों नहीं हो सकती।

स?को पर नही होना किसी भी प्रकार का अतिक्रमण–यहां की स?क लैंड जिहाद नहीं होना चाहिए, यह हमारी लाइन है और मुझे पूरा विश्वास है कि अमहिया ही नहीं जिले और प्रदेश में इस तरह के सभी जमीन अतिक्रमण पर कार्रवाई होगी। जनता को बाहर निकलते समय असुविधा और परेशानी होती है। आप कहीं भी तीन चादर डालकर सड़क पर कब्जा नहीं कर सकते। मजारों में धार्मिक स्थलों के लिए जगह होती है, एक निर्धारित जगह होती है और वह हर जगह एक जैसी होनी चाहिए। सड़क पर ऐसा नहीं होना चाहिए। प्रशासन ने आश्वासन दिया है और जहां तक कागजों की बात है तो मुझे लगता है कि यह सरकारी सड़क की जमीन पर है। इसके लिए कागज देखने की जरूरत नहीं है। आंखों से दिख रहा है कि यह सड़क पर बनी है। बाउंड्रीवाल और एक बिल्डिंग कुल मिलाकर विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने अवैध मजार और जमीन जिहाद का मुद्दा उठाकर राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है।

आयुष विभाग द्वारा विभाग के नियमों का किया जा रहा उल्लंघन

भिण्ड जिला आयुष अधिकारी के द्वारा की जा रही मनमानी

उमाकान्त शर्मा, दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। जिला आयुष कार्यालय में विगत वर्ष से अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तानाशाही देखने को मिल रही है।आरोप है जिला आयुष कार्यालय में मनमाने तरीके से कार्य किए जा रहे हैं एवं जिला आयुष अधिकारी नीलम कुशवाह के द्वारा तानाशाही रवैया अपनाया जा रहा है अपने अधीनस्थ कर्मचारियों से अभद्र व्यवहार किया जाता है कई बार जिसकी शिकायतें वरिष्ठ अधिकारियों को भी की गई मगर अभी तक कोई कार्यवाई जिला आयुष अधिकारी पर क्यों नहीं की गई है।शिकायतकर्ताओं का आरोप है जिला आयुष अधिकारी अपने कर्मचारियों के प्रति भेदभाव व सख्त रवैया अपनाती हैं जिसको लेकर कर्मचारियों ने उच्च अधिकारियों को भी अवगत कराया है फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है बताया जा रहा है की भिण्ड जिला आयुष अधिकारी को नियम विरुद्ध तरीके से प्रभार दिया गया है जिला आयुष अधिकारी के प्रभार के लिए जिस डिग्री का होना आवश्यक है वो डिग्री भिण्ड जिला आयुष अधिकारी नीलम कुशवाह के पास नहीं है बल्कि उनके पास दूसरे केडर की डिग्री बताई जा रही है जबकि जिस डिग्री का होना आवश्यक है वो उनके पास नहीं है तो फिर उनको भिण्ड आयुष अधिकारी का प्रभार कैसे दे दिया गया। साथ ही मिली जानकारी अनुसार भिंड जिला आयुष अधिकारी के द्वारा तानाशाही के चलते किसी भी कर्मचारी को बिना नोटिस दिए उनका वेतन रोक दिया जाता है एवं उनको परेशान किया जाता है जिसकी शिकायतकर्ताओं ने आयुष विभाग के प्रमुख सचिव को भी आवेदन देकर अवगत कराया है साथ ही शिकायतकर्ता ने शिकायत की है कि जिला आयुष अधिकारी नीलम कुशवाह को पैरामेडिकल स्टाफ की न्युक्ति एवं स्थानांतर करने का कोई अधिकार नहीं है फिर भी उनके द्वारा कई किलोमीटर दूर कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई जबकि नियम में तो निकटतम केन्द्र पर ड्यूटी लगाने का आदेश है फिर भी मैडम के द्वारा दूर वाले केंद्र पर ड्यूटी लगा दी जाती है यहां सोचना गौरतलब होगा की जिला आयुष अधिकारी के द्वारा इतना भेदभाव कर्मचारियों के साथ क्यों किया जाता है क्या है इसका कारण फिर भी वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा जिला आयुष अधिकारी पर क्यों नहीं की जाती कोई कार्यवाई वरिष्ठ अधिकारी क्यों नहीं लेते इन पर कोई एक्शन क्या है इसका कारण।

अम्बाह पुलिस द्वारा दशहरा ड्यूटी के दौरान रात्रि में लैन रोड नहर की पुलिया से 21 पेटी अवैध शराब मय वाहन कीमती करीबन 9,00000/- रूपये का जप्त कर आरोपी को किया गिरफ्तार

केशब पंडित जी पत्रकार अम्बाह

अम्बाह। पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ, व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द्र सिंह ठाकुर के दिशा निर्देशन एवं एसडीओपी महोदय अम्बाह रवि भदौरिया के मार्गदर्शन में दशहरा ड्यूटी के दौरान दिनांक 12/10/2024 को थाना अम्बाह पुलिस ने लैन रोड नहर की पुलिया से दशहरा ड्यूटी के दौरान कस्बा भ्रमण में एक कार पुलिस की गाड़ी को देखकर भागने लगी जिसका पीछा कर लैन रोड की नहर की पुलिया पर रोक लिया तो कार मे बैठा चालक व बगल की सीट पर बैठा व्यक्ति दोनो कार का गेट खोलकर भागने लगे जिसमें कार चालक हमराह फोर्स ने घेरकर पकड़ लिया व बगल वाली शीट पर बैठा व्यक्ति अंधेरा का फायदा उठाकर भाग गया ह्व20 कार से 21 पेटी अवैध शराब जिसमें 11 पेटी देशी मदिरा मसाला व 10 पेटी देशी मदिरा प्लेन की मिली जिसका रखने व ले जाने के संबंध में आरोपी के पास कोई लाइसेंस नही था। अवैध शराब कीमती करीबन 01 लाख रूपये व ह्व20 कार कीमती करीबन 8,00000/- रूपये कुल मसरूका शराब व वाहन का 9,00000/- रूपये का आरोपी से जप्त किया गया। आरोपीगण का उक्त कृत्य धारा 34(2) आवकारी एक्ट के तहत दण्डनीय पाया जाने से आरोपी को गिरफ्तार किया गया बाद। वापसी पर आरोपीगण के विरूध्द धारा 34 (2) आवकारी एक्ट का अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। आरोपीगण द्वारा शराब के खपत व स्त्रोत के बारे में पूछताछ की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपीगण - 1. हरेन्द्र गुर्जर पुत्र मुरलीधर गुर्जर उम्र 21 साल निवासी ग्राम जतावर जनकपुर थाना सरायछोला जिला मुरैना

भागे हुये व्यक्ति का नाम– शैलू पुत्र अशोक तोमर निवासी ग्राम बीच का पुरा रिठोना-सराहनीय भूमिका उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक सतेन्द्र सिंह कुशवाह, उनि प्रज्ञाशील, सउनि किशन सिंह, आरक्षक लखन प्रताप, आर, दिनेश जाट, आर. नरेश, आर. 512 अजीत, आरक्षक 543 दीपक पचौरी, आर. चालक मनीष सिरौठिया, आर. चालक धर्मेन्द्र परमार की सराहनीय भूमिका रही।

सरेराह एक युवक की कुछ दबंगों ने की मारपीट

दबोह थाना प्रभारी राजेश शर्मा ने की दबंगों के खिलाफ एफ आई आर दर्ज की

लहार। दबोह में अनुराग बघेल नामक युवक को दबंगों ने लाठी डंडों के साथ बुरी तरह मारा ,बेहोश अवस्था में छोड़ा कर भाग निकले अपने ऊपर हुए अचानक हमले से अनुराग बघेल के शरीर में गंभीर चोटे आई है इतना ही नहीं दबंगों ने अनुराग बघेल के पास देशी कट्टा रखकर पुलिस को सूचना भी दी जिसके बाद पुलिस अनुराग बघेल को थाने उठा लाई थी। बाद में अनुराग बघेल

ने दबोह थाना प्रभारी राजेश शर्मा को अपनी चोटों के निशान दिखाए हकीकत से सामना कराया तब जाके थाना प्रभारी ने दबंगों के खिलाफ गंभीर मामलो में प्रकरण दर्ज किया। अनुराग बघेल पुत्र ज्ञान सिंह बघेल उम्र 29 वर्ष निवासी बिजली घर मोहल्ला दबोह ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि 12 अक्टूबर दिन शनिवार को रात 9 बजे दबोह बाजार में अपनी मोटर साइकिल से जा रहा था तभी रास्ते में मेरी गाड़ी रोकी, जिसमें मुकेश संतोष कुरचानिया,जीतू ,नीतू पाठक ने मुझे लाठी डंडों से मारा जिससे में बुरी तरह घायल हो गया। दबोह थाना प्रभारी राजेश शर्मा ने अनुराग बघेल की रिपोर्ट पर मुकेश कुरचानिया, संतोष कुरचानिया जीतू और नीतू पाठक के खिलाफ धारा 126 (2),115(2), 351(2)296, 3(5) डी एन एस गंभीर मामलो में प्रकरण दर्ज कर लिया हैं.बता दे कि इसी तरह दबोह में दिन दहाड़े दुग्ध डेरी के पास सीतु पाठक का अपहरण कर उसे भी बहुत बुरी तरह से मारपीट कर अधमरा रोड पर छोड़ कर भाग खड़े हुए थे अभी वह आरोपी अभी तक पुलिस नही पकड़ पाई है जब कि ऐसी ही बारदात कल रात में घटित हो गई है। अब देखना होगा को पुलिस इन आरोपियों को पकड़ने में सफल होती है कि नही यह समय बताएगा।

सावधान! सामने विकास को दशार्ता ये सीवरेज है

संभल कर नहीं चले तो हो सकती है दुर्घटना

हरियाणा वाटिका/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 12 अक्टूबर। शहर की ग्रोवर मार्केट से ऋषि नगर की तरफ मुड़ते हुए ढलान पर जरा संभल कर चलिएगा। पैदल हैं तो ठोकर लगकर जोरों से गिर सकते हैं। अगर वाहन पर सवार हैं तो दुर्घटना हो सकती है।

सामने ये जो दिखाई दे रहा है ये सीवरेज है। सडक से थोड़ा ऊंचा बनाकर निर्माण का भविष्य तो तय कर दिया गया परंतु थोड़ी सी चूक हुई तो आपका भविष्य जरूर प्रभावित हो सकता है। सडक के बीच बने इस सीमेंटेड सीवर से शायद आपका भी वास्ता पड़ा हो या आते जाते निगम की इस गंभीर लापरवाही पर आपकी नजर पड़ी होगी। सडक लेवल से करीब एक फुट से अधिक ऊंचाई पर बना यह सीवर वाहन चालको विशेषकर चौपहिया वाहनो के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है । क्षेत्रवासी बताते है कि यह समस्या करीब

पांच साल से है । यह होस्पिटल एवं ट्यूशन सेंटर एरिया माना जाता है , स्कूल एव धार्मिक स्थल भी है जिस कारण इस सडक पर वाहनो का भारी आवागमन रहता है । वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे है लेकिन प्रशासन का ध्यान नही । दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सीवर को सडक लेवल पर लाने के लिए स्लोप बनाना होगा । नगर निगम मे शिकायत की है जनहित मे तुरन्त इसे दरुस्त किया जाना चाहिए ।

हकृवि में वार्षिक समूह की राष्ट्रीय बैठक 15 से

देश के 40 केन्द्रों से वैज्ञानिक लेंगे भाग

हिसार, 12 अक्टूबर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 35वीं अखिल भारतीय समन्वित मसाला अनुसंधान परियोजना की वार्षिक समूह बैठक 15 से 17 अक्तूबर तक आयोजित की जाएगी।

विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्- केंद्रीय मसाला अनुसंधान संस्थान, कोषिक्कोड, कालीकट, केरल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही इस बैठक में देश के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद परियोजना के 40 केंद्रों से वैज्ञानिक भाग लेंगे।

सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं बैठक के आयोजक सचिव डॉ. एस.के.तेहलान ने बताया कि इस बैठक के उद्घाटन समारोह में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के उप-महानिदेशक (बागवानी) डॉ. एसके सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व उप-महानिदेशक (बागवानी), डॉ. एन कृष्णा कुमार, डॉ. वीए पाथार्सारथी व एडीजी डॉ. सुधाकर पांडे उपस्थित रहेंगे।

परियोजना समन्वयक डॉ डी. प्रासथ के अनुसार इस बैठक में वैज्ञानिकों द्वारा बीते वर्षों में किए गए अनुसंधान कार्यों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही आगामी वर्ष में किए जाने वाले कार्यों की योजना का प्रारूप भी तैयार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बैठक में आयोजित होने वाले विभिन्न सत्रों में वैज्ञानिक मसाला किस्मों में सुधार, उनकी उत्पादन तकनीक, पैदावार, कीड़े व बीमारियों से सुरक्षा के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे। बैठक के अंतिम सत्र में वैज्ञानिकों द्वारा शोध की गई नई किस्मों, पैदावार बढ़ाने व सुरक्षा के नए तरीकों को प्रस्तुत किया जाएगा।

दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया, रावण दहन पर उमड़ा जनसैलाब

जिला पुलिस ने सुरक्षा प्रबंधों का किया पुख्ता इंतजाम

हिसार, 12 अक्टूबर। जिले भर में दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया। शहर के कई भागों में रावण के पुतलों का दहन किया गया। इनमें शहर के मुलतानी चौक व कटला रामलीला की ओर से पुराना कालेज ग्राउंड में दशहरा पर्व मनाया गया।

इस मौके पर शहर ही नहीं आसपास के गांवों से भी लोग वाहनों में भर कर पहुंचे। विभिन्न स्थानों पर रावण, कुम्भकरण और मेघनाथ के पुतले जलाए गए। पुतलों को जलाते ही आतिशबाजियों की आकर्षक रोशनी ने आसमान को जगमग कर दिया। इससे पहले पुराना गवर्नमेंट कॉलेज में चल रही कटला रामलीला के दसवें दिन कुंभकरण वध, मेघनाद वध, अहिरावण वध, सुलोचना सती एवं श्रीराम-रावण के प्रथम युद्ध का मंचन किया गया। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त रासाचार्य

डॉ. स्वामी देवकीनंदन जी महाराज के निर्देशन में वृंदावन के उच्चकोटि के कलाकारों ने सभी प्रसंगों को मंच पर जीवंत कर दिया। श्रीराम, लक्ष्मण व वानर सेना के विरुद्ध किया जा रहा कुंभकरण का अट्टाहस, मेघनाद का उल्लास और अहिरावण का प्रयास वध होते ही थम गए। अन्याय व दंभ के प्रतीक इन तीनों का अंत होते ही दर्शकों के उत्साह का कोई पारावार नहीं रहा और पूरा मैदान जय श्रीराम के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। इसी भांति श्रीराम व रावण के बीच युद्ध की शुरूआत होते ही दर्शक प्रभु श्रीराम के प्रति नतमस्तक हो उठे। इस महोत्सव में सांसद, मंत्री, विधायक, पूर्व मंत्री व पूर्व विधायक सहित काफी संख्या में समाजसेवी मौजूद रहे। इस अवसर पर पूर्व मेयर गौतम सरदाना, सुभाष

जांगड़ा, दिनेश रावलवासिया, ऋषिराज बुड़ाकिया, आनंद गोयल, तरुण गोयल, देव कुमार गर्ग, डॉ. लवनीश गोयल, राजेश गोयल व डॉ. प्रिंयका गोयल सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान कटला रामलीला के प्रधान सुरेंद्र लाहौरिया, महामंत्री राजेश बंसल, कोषाध्यक्ष रमेश लोहिया एवं कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र बंसल (नेताजी), रामनिवास परसा, दिनेश जैन, राधेश्याम अग्रवाल, प्रवीण बंसल व मंजुल गोयल उपस्थित रहे।

दूसरी ओर पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन ने कहा है कि पुलिस ने दशहरे पर्व के दौरान हिसार में होने वाले रावण दहन को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए है। हिसार में मुख्य चार जगहों पुराना राजकीय कॉलेज मैदान, मुल्तानी चोक, पटेल नगर और विद्युत नगर हिसार पर रावण दहन का आयोजन किया जा रहा है।

दशहरे पर्व के दौरान कानून व्यवस्था को बनाए रखना, यातायात का सुचारू रूप से संचालन, समारोह का शांति पूर्वक समापन और जान और माल की रक्षा करना पुलिस प्रबंध का मुख्य उद्देश्य है। इसके लिए पुलिस सुरक्षा का उचित प्रबंध किया गया है। शहर के सभी स्थलों पर सिविल ड्रेस में भी महिला व पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। जो हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रख रहे हैं। यातायात पर्यवेक्षण अधिकारी और यातयात थाना प्रबंधक अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर यातयात वयवस्था का सुचारू रूप से संचालन करेगे व जरूरत अनुसार ट्रैफिक को डायवर्ट के पहले ही आदेश दे दिए गए थे।

माधोगढ़ की घाटी में तंग मोड पर कार व पिक अप गाड़ी की भिंड़त

सतनाला, 12 अक्टूबर। सतनाली-महेंद्रगढ़ मुख्य सडक मार्ग पर माधोगढ़ की घाटी में तंग मोड़ पर आए दिन हादसे घटित होते रहते है। शनिवार सुबह भी माधोगढ़ की घाटी में एक स्विफ्ट कार व बोलेरो पिक अप गाड़ी की आमने सामने की भिंड़त हो गई।

गनीमत रही कि हादसे में किसी को चोट नहीं आई। हालांकि दोनों वाहन चालकों द्वारा आपसी सुलह कर ली गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेंद्रगढ़ निवासी मुकेश अपनी कार से महेंद्रगढ़ जा रहा था। इस दौरान घाटी के तंग मोड़ पर बोलेरो पिकअप से आमने सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया वहीं पिकअप गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हुई है। दूसरी ओर घाटी से प्रतिदिन गुजरने वाले वाहन चालकों की माने तो घाटी में तंग मोड़ बने हुए है तथा यहां संकेतकों का भी अभाव है जिस कारण नए वाहन चालक को तो मोड़ का पता नहीं चल पाता तथा हादसा घटित होने की संभावना बनी रहती है। इसी प्रकार घाटी में केवल सतनाली की ओर से प्रवेश के समय स्पीड ब्रेकर बने हुए है तथा पूरी घाटी में कोई अतिरिक्त स्पीड ब्रेकर नहीं है जिस कारण वाहनों की स्पीड नियंत्रित नहीं रहती। ऐसे में आए दिन हादसे घटित होते रहते है। वाहन चालकों ने संबंधित विभाग व प्रशासन से मांग की है कि घाटी में स्पीड ब्रेकर बनवाए जाए तथा तंग मोड से पहले संकेतक लगाए जाए ताकि हादसे घटित न हो।

किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदा जाएगा : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदा जायेगा। किसानों को तय समय में फसल खरीद का भुगतान भी सुनिश्चित किया जा रहा है।सरकार किसानों के हितो की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मंडियों में किसानों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं, ताकि उन्हें अपनी फसल बेचने में किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत न आए। साथ ही, मंडियों से धान उठान का काम भी सुनिश्चित किया जायेगा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को जिला कुरुक्षेत्र में पीपली, लाडवा व बबैन अनाज मंडियों का दौरा कर रहे थे। यहां पहुंचने पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जी अनुपमा, उपायुक्त राजेश जोगपाल व पुलिस अधीक्षक वरूण सिंगला ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा भी उपस्थित रहे।

नायब सिंह सैनी ने अनाज मंडी का दौरा करते हुए मॉइस्चर मीटर के माध्यम से धान की नमी भी चैक की। उन्होंने इस मौके पर किसानों, आढ़ती व यूनियन के पदाधिकारियों के साथ बातचीत करके धान के खरीद कार्य के बारे में जानकारी भी हासिल की। उन्होंने कहा कि तय पैरामीटर के अनुसार धान खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। धान के साथ-साथ बाजरे की भी सरकारी खरीद की जा रही है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने पर प्रदेशवासियों व कार्यकताओं को बधाई भी दी और इसके लिए आमजन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि शपथ समारोह से पहले पूर्व घोषित वादे के अनुरूप 25 हजार पदों का रिजल्ट जल्द निकाल दिया जायेगा।

कांग्रेस पार्टी पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार और परिवारवाद के दलदल में फंसी हुई पार्टी है। पहले कई राज्यों में उन्होंने झूठ बोलकर सत्ता हासिल की थी, जिसमें हिमाचल, कर्नाटक व अन्य राज्य शामिल हैं। लोगों का कांग्रेस से विश्वास उठ चुका है।

किसानों व आढ़तियों की सुनी समस्याएं

मुख्यमंत्री ने धान खरीद कार्य का जायजा लेने के दौरान किसानों व आढ़तियों से सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याएं भी जानी। इस दौरान किसानों ने जीरी का उठान न होने बारे, आरओ न कटने बारे व अन्य समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही सम्बंधित अधिकारियों को इन समस्याओं का निपटान करने के निर्देश देते हुए कहा कि मंडियों में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आनी चाहिए।

रास्ता निर्माण मामले में नपा के मनमाने रवैये को लेकर स्थानीय लोगों ने जताया एतराज

नपा के रवैये को लेकर एसडीएम को दी शिकायत

लोहारू, 12 अक्टूबर। लोहारू के वार्ड नंबर 12 सुभाष ढाणी नपा द्वारा संतलाल के घर के आगे से रास्ते का निर्माण किया जा रहा है जिसको लेकर संतलाल का आरोप है कि नपा का जेई व ठेकेदार मिलकर उसके घर के आगे से नाजायज तरीके से जबरदस्ती रास्ते को चौड़ा कर रहे हैं। इस मामले में मौके पर डायल 112 ने पहुंच कर मामले को शांत करवाया। इसके बाद पीड़ित संतलाल ने एसडीएम को लिखित शिकायत देकर रास्ते को यथास्थान बनाने की मांग की है।

एसडीएम को दी शिकायत में पीड़ित संतलाल ने बताया कि शहर के वार्ड नंबर 12 सुभाष ढाणी में उसका 50 फिट चौड़ा व 62 फीट लंबाई का प्लाट है। ठेकेदार व नपा जेई कृष्ण कुमार जबरदस्ती तरीके से रास्ते का 15 फीट चौड़ा बना रहे हैं जिससे उसके प्लाट कम हो रहा है। आरोप है यह रास्ता करीब 50 वर्ष पुराना है भाईचारे में उसने रास्ता 10 फिट की चौड़ाई का दे रखा है। परंतु ठेकेदार व जेई इस रास्ते को 15 फीट चौड़ा बनाना चाहते हैं जो सरासर अन्याय है। पीड़ित का कहना है उसने मौके पर प्लाट की नींव भरकर कब्जा कर रखा है और नपा से स्वामित्व भी बनवा रखा है। पीड़ित ने मामले में एसडीएम से न्याय की गुहार लगाई हे।

इस मामले में नपा जेई से बात की गई तो उन्होंने बताया कि रास्ता जहां पहले से बना हुआ है वहीं पर बनाया जा रहा है। इस मामले में संतलाल को प्लाट के दस्तावेज दिखाने के लिए कहा गया था मौके पर संतलाल ने किसी प्रकार का कोई दस्तावेज नहीं दिखाया। उन्होंने बताया कि संतलाल यदि दस्तावेज प्रस्तुत कर देता है तो इसे दुरूस्त करवा दिया जाएगा।

हिसार का भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर खिलाड़ी अमीन कुलेरी दिखाएगा जौहर

उदयपुर में राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट चैम्पियनशिप आयोजित

हिसार, 12 अक्टूबर। अग्रोहा/अतंर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर खिलाड़ी अमीन कुलेरी का एक बार फिर हरियाणा की टीम में चयन हुआ। जिससें ग्रामीणों में खुशी का माहोल है।

नारायण सेवा संस्थान द्वारा राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट चैंपियनशिप 2024 का चौथा संस्करण का आयोजन 15 अक्टूबर से लेकर 25 अक्टूबर तक राजस्थान के उदयपुर में किया जा रहा है इस प्रतियोगिता में हरियाणा की टीम शामिल होगी जिसमें हिसार जिले के गांव लेडी से अमीन का चयन हुआ है बचपन से ही गली क्रिकेट खेलते हुए आमीन ने कड़ी मेहनत और साथ मजदूरी कते हुए इस सत्र को हासिल किया है।

बता दें कि अमीन के माता-पिता इस दुनिया में नहीं है उनके भाई और परिवार सरपंच व अन्य गांव के लोगों के सहयोग से लगातार मेहनत करके आगे बढता जा रहा है। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न 24 प्रांतों के चार सौ से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे इस दौरान 63 मैच उदयपुर के 4 ग्राउंड में खेले जाएंगे। सभी मैच 20-20 ओवर के होंगे। प्रतियोगिता का उद्घाटन तथा समापन मैच फील्ड क्लब के मैदान में खोला जाएगा।

बीसीसीआई अध्यक्ष एवं सचिव ने किया ट्रॉफी का अनावरन

इस चैम्पियनशिप के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हरभजन सिंह को ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है। गुरुवार को चैम्पियनशिप के पोस्टर का विमोचन उदयपुर में नारायण सेवा के पदाधिकारी भगवान प्रसाद गौड़, ट्रस्टी देवेंद्र चौबीसा, धीरज हार्डे एवं रोहित तिवारी ने किया। उदयपुर में जिन मैदानों में प्रतियोगिता होगी, उनमें फील्ड क्लब के अलावा एमबी मैदान ग्राउंड, बीएन यूनिवरसिटी ग्राउंडतथा नारायण पैरा स्पोर्ट्स एकेडमी शामिल हैं।

टूनार्मेंट में देशभर के विभिन्न प्रांतों की 24 टीमें हिस्सा लेंगी

डीसीसीआई संयोजक धीरज हार्डे ने कहा कि विभिन्न प्रांतों के खिलाड़ियों का चयन पिछले एक वर्ष में हुए विभिन्न टूनार्मेंट में प्रदर्शन को आधार पर किया गया।संस्थान के जनसम्पर्क अधिकारी विष्णु शर्मा हितैषी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में राजस्थान रॉयल्स, प्यूमा, इंडियन बैंक और बीसीसीआई का सपोर्ट मिल रहा है। इस प्रतियोगिता का सीधा प्रसारण फैन कोड पर किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार होंगे मैच

नारायण सेवा संस्थान के निदेशक एवं ट्रस्टी देवेंद्र चौबीसा ने बताया कि संस्थान वर्ष 2017 से दिव्यांग खेलों के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इससे पहले दो नेशनल पैरा स्वीमिंग, एक नेशनल ब्लाइंड क्रिकेट और एक नेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप का सफलतापूर्वक आयोजन करा चुका है। व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप का आयोजन गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है। डीसीसीआई के क्रिकेट टैलेंट एंड डवलपमेंट निदेशक चंद्रभान गिर ने कहा कि यह सब संस्थान के संस्थापक चेयरमैन कैलाशजी मानव तथा अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल के प्रयासों से संपन्न हो पाया।

मैन ऑफ द सीरीज को मिलेगी स्कूटी

दिव्यांग प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से इस चैंपियनशिप के 'मैन ऑफ द सीरीज' को स्कूटी इनाम के तौर पर मिलेगी। हर मैच के'मैन ऑफ द मैच' को पुरस्कार मिलेगा। विजेता और उपविजेता टीम को भी विशेष पुरस्कार दिए जाएंगे।

इंग्लैंड वर्ल्ड कप चैंपियन प्लेयर भी हो रहे है शामिल

इस चैंपियनशिप में इंडिया टीम के कप्तान विराट कैनी, मुम्बई के रविंद्र सन्ते, विदर्भ के गुरुदास राउत, बंगाल के तुषार रॉय, गुजरात के आसित जायसवाल, जम्मू -कश्मीर के वसीम इकबाल और अमीर हिस्सा ले रहे हैं। इसके अलावा राजस्थान के तीन खिलाड़ी जसवंत सिंह, सुरेंद्र खोरवाल और इकबाल के साथ एमपी के योगेंद्र भदोरिया, तमिलनाडु के विक्टर, कर्नाटक के शिवशंकर, आंध्रा के अखिल रेड्डी, हरियाणा के पवन कुमार और अमीन भुम्भक पर खास नजर रहेगी।

कर्नाटक सरकार ने 2022 हुबली दंगा मामले वापस लिए, राजनीतिक विवाद ने पकड़ा तूल

बेंगलुरु। कर्नाटक में सिद्दारमैया सरकार ने 2022 हुबली थाना हिंसा मामले में दर्ज मामलों को वापस लेने का फैसला किया है। पुलिस पर हमला करने के आरोप में 150 से अधिक लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। कर्नाटक सरकार के इस फैसले से विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा ने सरकार के इस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार आतंकवादियों का समर्थन कर रही है। इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने कहा कि सरकार के पास कुछ मामलों को वापस लेने का अधिकार है।

कैबिनेट की बैठक में हुबली दंगा मामले समेत 43 पुलिस मामलों को वापस लेने के फैसले के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, "सरकार के पास कुछ मामलों को वापस लेने का अधिकार है और वह इसकी जानकारी लेंगे। भाजपा हमेशा झूठ को लेकर आंदोलन करती है। मैं इस मामले की पुष्टि करने के बाद इस बारे में बात करूंगा।"

आईटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि राजनीतिक मकसद से दर्ज किए गए पुलिस मामलों को वापस लेने का फैसला किया गया है।

कुछ मामलों पर चर्चा की गई और उन्हें वापस ले लिया गया।

उन्होंने आगे कहा कि दंगे के मामलों में, आरोपियों के नाम 'अन्य' के रूप में दर्ज होते हैं और जांच के बाद ये मामले वापस ले लिए जाते हैं। इसमें कोई राजनीति नहीं है। प्रियांक खड़गे ने कहा कि भाजपा एमएलसी सी.टी. रवि के खिलाफ भी एक मामला वापस ले लिया गया है। क्या वे कहेंगे कि यह राजनीतिक है? सभी मामलों की पुष्टि की गई और स्थानीय स्तर पर जानकारी मिलने के बाद क्लोजर रिपोर्ट दायर की गई है।

इस कदम का विरोध करते हुए भाजपा एमएलसी एन. रवि कुमार ने शुक्रवार को कहा, "16 अप्रैल 2022 को हुबली में एक उपद्रवी ने कथित तौर पर व्हाट्सएप्प संदेश में इस्लाम के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां की थीं।

सेवार्थ जन कल्याण समिति एवं रतन ज्योति नेत्रालय ग्वालियर के संयुक्त तत्वाधान में ग्राम पंचायत धमसा में नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन सम्पन्न

विशेष डाक्टरों द्वारा लगभग 175 मरीजों का किया गया नेत्र परीक्षण

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

गोहद। अनुभाग गोहद क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत धमसा में रविवार को स्वर्गीय श्री प्रीतम सिंह गुर्जर की स्मृति में सेवार्थ जनकल्याण समिति एवं रत्नजोति नेत्रालय ग्वालियर के तत्वाधान में एक नेत्र परीक्षण का आयोजन किया गया इस नेत्र परीक्षण में विशेष डॉक्टरों द्वारा लगभग 175 मरीज का नेत्र परीक्षण किया गया। जिसमें मोतियाबिंद लेंस प्रत्यारोपण हेतु 45 मरीजों का चयन किया गया है। इस नेत्र परीक्षण उपरांत मरीजों को जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षण के उपरांत चयनित मरीजों का मोतियाबिंद लेंस प्रत्यारोपण (बिना टांका पद्धति द्वारा) रतन ज्योति नेत्रालय में निशुल्क किया जाएगा तथा मोतियाबिंद लेंस प्रत्यारोपण ऑपरेशन हेतु मैरिज अपने आधार कार्ड की फोटो कॉपी एवं मोबाइल नंबर अवश्य साथ लेकर आए और मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु केवल मरीज को आना-जाना रहने एवं खान की व्यवस्था साथ ही काला चश्मा एवं दवाइयां आदि सुविधा निशुल्क प्रदान की जाएगी। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व संभाग आयुक्त

मध्यप्रदेश शासन श्री राजीव शर्मा जी के द्वारा किया गया। ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि तथा सेवार्थ पाठशाला समूह के प्रतिनिधियों ने राजीव शर्मा का शाल श्रीफल और स्मृति चिन्ह के द्वारा सम्मान किया। इस दौरान उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में स्वास्थ्य शिविरों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और कहा कि भारत भूमि में इस तरह के आयोजन होते रहते हैं। अभी बहुत कुछ किया जाना अपेक्षित भी है ।शिक्षा -स्वास्थ्य और दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य कर रही सेवार्थ जन कल्याण समिति के कार्यों की प्रशंसा करते हुए अतिथि महोदय ने कहा कि इस तरह के आयोजन से किसी राष्ट्र के विकास की प्रक्रिया त्वरित होती है? ।इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष और सेवार्थ जनकल्याण समिति के अध्यक्ष ओ पी दीक्षित ने अपनी समिति के द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला और इस तरह के आयोजनों की निरंतरता की आवश्यकता प्रतिपादित की। इस अवसर पर पाठशाला समूह के सचिव सेवानिवृत मेजर मनोज पांडे ,पाठशाला समूह के कोषाध्यक्ष ,मोहनलाल अहिरवार, ग्राम पंचायत धमशा, भगवासा तथा मदनपुरा के सरपंच भी उपस्थित थे। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धमसा के प्रभारी डॉक्टर योगेश कुमार तथा आशा कार्यकर्ताओं का बहुत सराहनीय सहयोग रहा। रतन ज्योति नेत्रालय से शिविर प्रभारी ,विनोद भदौरिया और उनकी पूरी टीम तथा बड़ी संख्या में ग्राम पंचायत के स्वयंसेवक कार्यकर्ता भी उपस्थित थे। पत्रकारों को सम्मानित किया गया। सेवार्थ जनकल्याण समिति एवं रत्नजोति नेत्रालय ग्वालियर के द्वारा आयोजित नेत्र परीक्षण शिविर के समिति सदस्य द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित गोहद तहसील के पत्रकारों का शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

काली रेत का अवैध उत्खनन रोकने का नाम नहीं ले रहा है

पुष्पांजलि टुडे संवाददाता जितेंद्र राय

तहसील मुख्यालय में काली रेत का अवैध उत्खनन रेत माफिया द्वारा 24 घंटे किया जा रहा है ऐसा लगता है कि रेत माफियाओं का किसी का भय नहीं है बस स्टैंड से लेकर स्टेशन रोड से भरी रेत के डंपर तहसील के सामने बेधड़क तरीके से निकल रहे हैं ऐसा लगता है कि इन्हें राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। उच्च आसींन पदों पर बैठे व्यक्ति विपक्ष में बैठे नेता लोग भी मौन है या फिर चुनावी माहौल में ही यह लोग सक्रिय हो जाते हैं रेत माफिया को राजनीतिक व अधिकारियों का भरपूर संरक्षण प्राप्त है भाजपा सरकार रेत माफिया पर कब शिकंजा कसेगी यह तो रामभरोसे ही लगता है।

दुर्गा माता विसर्जन के दौरान डूबने से युवक की मौत पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने व्यक्त की संवेदना

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। दुर्गा माता विसर्जन के दौरान डूबने से लधेड़ी निवासी मंगल मांझी की असमाजिक मौत पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने गहरी संवेदना व्यक्त की । रविवार की सुबह ऊर्जा मंत्री ने मंगल मांझी की असामयिक मृत्यु का अत्यंत दुःखद समाचार मिलने पर अस्पताल पहुंचकर परिवारजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए उनका दुःख साझा किया। इस मौके पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मृतक के परिवार को 4 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान किए जाने की कार्यवाही करने के निर्देश जिला प्रशासन के अधिकारियों को दिए, साथ ही शासन की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में हम सभी उनके साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिवार को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

अंबाह पुलिस की बड़ी कार्यवाही अवैध रूप से देसी शराब का परिवहन कर रही गाड़ी सहित 21 पेटी अवैध शराब, गाड़ी को किया जप्त

01 कार कुल 9,00,000/- रूपये का मशरूका जप्त किया गया, अंबाह अनुविभागीय अधिकारी अधिकारी (पुलिस) रवि सिंह भदौरिया के नेतृत्व में लगातार की जा रही है शराब अवैध शराब, अवैध कार्यों के खिलाफ कार्यवाही

भीमसेन सिंह तोमर

अंबाह । पुलिस अधीक्षक जिला मुरैना श्री समीर सौरभ (भापुसे) द्वारा जिले में अवैध शराब-मादक पदार्थों की तस्करी एवं क्रय-विक्रय करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु संपूर्ण मुरैना जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जाकर जिले के समस्त थाना प्रभारियों एवं राजपत्रित अधिकारियों को प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त अभियान के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय मुरैना डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर के निर्देशन एवं एसडीओपी अम्बाह श्री रवि भदौरिया के मार्गदर्शन में थाना अम्बाह पुलिस द्वारा 01 आरोपी को गिरफ्तार कर 21 पेटी अवैध शराब (11 पेटी देशी मसाला तथा 10 पेटी देशी प्लेन) एवं 01 कार जप्त की गई।

दिनांक 12.10.2024 को दशहरा ड्यूटी के दौरान कार्य. निरीक्षक सतेन्द्र सिंह कुशवाह थाना प्रभारी अम्बाह एवं हमराह टीम द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर लेन रोड़ नहर की पुलिया पर चैकिंग लगाकर कार क्रमांक रू07ष्ट5561 को घेराबंदी कर मय कार चालक के पकड़ा, किन्तु कार में बैठा हुआ अन्य व्यक्ति अंधेरे का लाभ

उठाकर भाग गया। पुलिस द्वारा कार की तलाशी ली गई, तो कार के अंदर 21 पेटी अवैध देशी शराब (11 पेटी देशी मसाला मंदिरा एवं 10 पेटी देशी प्लेन मदिरा) कीमती करीबन 1,00,000/- रूपये की रखी मिली, उक्त शराब के संबंध में वैध लायसेंस पाया गया, जो न होना बताया गया। आरोपीगण का उक्त कृत्य आबकारी अधिनियम के तहत

दंडनीय होने से मौके पर से 21 पेटी अवैध देशी शराब कीमती करीबन 1,00,000/- रूपये एवं 120 कार क्रमांक रू07ष्ट5561 कीमती 8,00,000/- रूपये कुल मशरूका कीमती करीबन 9,00,000/- रुपये का विधिवत् जप्त कर थाना वापसी पर गिरफ्तार शुदा आरोपी एवं मौके से फरार आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 607/24 धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का कायम कर विवेचना में लिया गया। मौके से फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

आरोपी से जप्त मशरूका का विवरण:

क्र.अपराध क्रमांक व धारा

आरोपी से जप्त मशरूका-1. 607/24 धारा 34(आबकारी अधिनियम 11 पेटी देशी मसाला शराब, 10 पेटी देशी प्लेन शराब एवं 01 आई.20 कार क्रमांक रू07ष्ट5561

सराहनीय भूमिका-उक्त कार्यवाही में निरीक्षक सतेन्द्र सिंह कुशवाह थाना प्रभारी अम्बाह मय स्टाफ उनि प्रज्ञाशील, सउनि किशन सिंह, आर.512 अजीत, आरक्षक 543 दीपक पचौरी, आरक्षक लखन प्रताप, आरक्षक दिनेश जाट, आरक्षक नरेश, आर. चालक मनीष सिरौठिया, आर. चालक धर्मेन्द्र परमार की सराहनीय भूमिका रही है।

एमजेएस महाविद्यालय स्टेडियम में 35 फीट ऊंचा रावण कुंभकरण और मेघनाथ के एक साथ तीन पुतले जलाए गए रावण दहन की लीला को देखने के लिए हजारों लोग स्टेडियम पर एकत्रित हुए धू-धू जल उठे तीनों पुतले

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । सत्य पर असत्य की जीत का पर्व विजयदशमी दशहरा के अवसर पर शहर की एमजेएस महाविद्यालय स्टेडियम में एक साथ तीन पुतले रावण का 35 फीट ऊंचा और कुंभकरण और मेघनाथ के पतले का दहन किया गया। सदर विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने ने मुख्य अतिथि के रूप में मर्यादा भगवान श्री परसोत्तम राम,लक्ष्मण हनुमान जी एवं सभी कलाकारों का होली से तिलक माल्यार्पण करते हुए आरती की और सभी शहर वासियों को दशहरे की शुभकामनाएं दी । रामलीला कलाकारों द्वारा रामलीला का सुंदर मंचन रावण वध के साथ राम रावण युद्ध किया गया इसी तरह जब विभिस्न ने कहा की है प्रभु श्री राम यह दशानंद रावण की नाभि में अमृत कुंड है इसमें एक साथ 31 बाद मारिए और वह है अपने आप नाही का अमृत सुख कर वह समाप्त हो जाएगा श्री राम जी ने एक साथ 31 बाद मार कर रावण का वध किया और लंका पर विजय प्राप्त करते हुए राम लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न मां सीता जानकी एवं हनुमान नल और नील अनगडमिशन अयोध्या के लिए उनकी विदाई करने के लिए साथपहुंचे । विधायक श्री कुशवाह ने रामलीला मंचल से पूर्व श्री राम लक्ष्मण हनुमान जी के साथ शमी पूजन किया। यह कार्यक्रम नगर पालिका परिषद की जल संयोग से आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने विजयदशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा भगवान राम ने इसी दिन रावण का वध किया था जिसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है इसीलिए इस ए दशमी को विजयदशमी के नाम से लोग जानते हैं दशहरा वर्ष की तीन अत्यंत शुभ तिथियां में से एक है। भगवान श्री राम ने लंका पर विजय प्राप्त करते हुए समाज में सामाजिक समरसता का भाव लोगों में जागृत किया। उन्होंने कहा कि दशहरा या विजयदशमी या आयुध पूजा हिंदुओं का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। अश्विनी शुक्ल दशमी को विजयदशमी का त्यौहार बड़ी धूमधाम से बना मनाया जाता है। उन्होंने कहा यह त्यौहार भारतीय संस्कृति के वीरता का पूजक शौर्य का उपासक है। इस व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसीलिए दशहरा का उत्सव रखा गया है। विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने रामलीला मंचन के समस्त कलाकारों के साथ सेल्फी भी ली और उनको हार्दिक शुभकामनाएं दी कार्यक्रम को देखने के लिए महिलाएं युवा एवं सर्व समाज के लोग काफी संख्या में एकत्रित हुए और सुंदर रामलीला के मंचन में लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष केशव सिंह भदौरिया,माया मायाराम दुबे, बृजेश शर्मा एसडीएम तहसीलदार नगर पालिका मुख्य नगर पालिका अधिकारी यशवंत वर्मा उपाध्यक्ष भानु भदौरिया,पूर्व नगर अध्यक्ष पवन जैन पूर्व पार्षद अनूप पांडे समस्त पार्षद गण विशेष रूप से मंच पर उपस्थित थे।

नवरात्रि के उपलक्ष में सेवा भारती महानगर द्वारा गरबा डांडिया का कार्यक्रम संघ कार्यालय में हुआ आयोजित

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। नवरात्रि के उपलक्ष में सेवा भारती महानगर द्वारा गरबा डांडिया का कार्यक्रम संघ कार्यालय में 11 अक्टूबर को किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सरस्वती शिशु मंदिर बादलगढ़ की प्राचार्य मनीषा शर्मा और महिला पतंजलि योग समिति की जिला प्रभारी नेहा पटेल रही मुख्य अतिथियों का स्वागत करुणावैद्य और मृणालिनी चौहान ने किया इसमें दोनों अतिथियों ने नारी शक्ति और योग से संबंधित अपने विचार भी प्रकट किए इस कार्यक्रम में मंच संचालन का कार्य डॉक्टर यामिनी सक्सेना ने किया इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा भारती महानगर महिला मंडल संयोजिका गीता उपाध्याय ने किया इस कार्यक्रम मैं गरबा डांडिया करने वाली बहनों ने बहुत ही उत्साह पूर्वक अपनी प्रस्तुति दी इस कार्यक्रम में बहनों को पुरस्कार भी विपरीत किए गए जिसमें गरबा क्वीन खुशी पाल बेस्ट एनर्जी पूजा बाथम बेस्ट ड्रेस अप बुलबुल बेस्ट स्माइल खुशी शर्मा और सरप्राइज गिफ्ट हर्षिता मोरे को दिया गया इस कार्यक्रम में ऑडियंस राउंड भी हुआ जिसमें नीरज कुलश्रेष्ठ विजय रही वेस्ट कोरियोग्राफर शिखा भटनागर का भी सम्मान किया गया कार्यक्रम में आभार गीता उपाध्याय ने किया।

चल समारोह में युवा तरुणाई को केसरिया ध्वज व क्षात्र धर्म, सनातन पर चलने के लिए प्रेरित किया, स्वागत किया गया

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा, जिला ग्वालियर के तत्वावधान में 29 वा दशहरा चल समारोह परंपरागत रूप से ग्वालियर दुर्ग की तलहटी बादलगढ़ से भगवान श्रीराम , ÷केसरिया ध्वज ÷ के नेतृत्व में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारियों , सदस्यों के साथ निकाला गया। दशहरा ठीक 2 बजे अपने निर्धारित रास्ते से होता हुआ , श्री राम जी का रथ, शस्त्र - शास्त्र , शम्मी वृक्ष के साथ गोला का मंदिर पर बृज वाटिका में ÷दशहरा मिलन एवं शस्त्र - शास्त्र पूजन÷ में परिवर्तित हुआ। दो सैकड़ा से अधिक चार पहिया वाहन, एक सैकड़ा से अधिक दो पहिया वाहनों सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ , रास्ते भर चल समारोह का पुष्प वर्षा कर जन मानस का स्वागत किया। दशहरा मिलन समारोह में श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक सिंह भदौरिया, की अध्यक्षता में व म.प्र. शासन के ऊर्जा मंत्री श्री प्रधुमन सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री निहाल सिंह चौहान , राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजीव भदौरिया, राष्ट्रीय महामंत्री ओमकार सिंह, अशोक तोमर, राजेन्द्र सिंह गौर, प्रदेश अध्यक्ष म. प्र. श्री रामकुमार सिकरवार, वरिष्ट नेता व समाज सेवी श्री धीर सिंह तोमर , श्री मती रेशू राजावत के विशिष्ट आतिथ्य में शस्त्र - शास्त्र पूजन कर शम्मी पूजन किया गया। इस अवसर पर सभी सम्मानित मंच का जिला कार्यकारिणी के जिला अध्यक्ष महेन्द्र सिंह तोमर की टीम द्वारा साफा पहनाकर कर अभिनन्दन किया गया। संभागीय युवा अध्यक्ष रामौतार सिंह वैस, छोटू तोमर, अभय तोमर, योगेश तोमर , राम राजावत , चेतना तोमर, ज्योति सिकरवार, रमा जादौन आदि के द्वारा सभी युवा युवतियों कार्यकताओं का जिन्होंने चल समारोह में युवा तरुणाई को केसरिया ध्वज व क्षात्र धर्म , सनातन पर चलने के लिए प्रेरित किया, स्वागत किया गया।

मिलन समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री प्रदुम्न सिंह तोमर ऊर्जा मंत्री,म. प्र. शासन ने विजय दशमी पर्व की सभी बन्धुओं को नतमस्तक हो कर बधाई, शुभकामनाएं प्रेषित की , उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि दशहरा पर आज संकल्प लेते हैं कि संगठन के द्वारा समाज की कोई समस्या हमारे समक्ष आएगी तो उसे क्षात्र धर्म का पालन करते हुए , समाधान करने का हर सम्भव प्रयास करुंगा,। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व संगठन के वरिष्ट नेतृत्व , निहाल सिंह चौहान ने अपने उद्बोधन में, अखिल भारतीय क्षत्रिय

महासभा संगठन के वैधानिक संगठनात्मक संरचना को बताते हुए कहा कि केसरिया ध्वज की अगुवाई में संगठन के पंजीबद्ध नियमावली के अनुसार मई 2025 तक लोकतांत्रिक व्यवस्था से जिला, प्रदेश व राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन कर राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्वाचन किया जाना सुनिश्चित किया है , देश के 600 से अधिक जिलों में संगठन की ईकाई संगठनात्मक स्वरुप में क्षात्र धर्म की साधना करते हुए केसरिया ध्वज को लेकर मानव प्राणी मात्र, सभी जीव आत्मा की सुरक्षा को लेकर सृष्टि प्रकृति को आश्वस्त कर रही है। श्री निहाल सिंह चौहान ने कहा कि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा एक राष्ट्र वादी संगठन है न कि जातिगत संगठन ,। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा , क्षत्रिय जाति नहीं, धर्म है, के विचार के साथ सम्पूर्ण सृष्टि और वसुधैव कुटबमकम की सोच के साथ अपने आप में समाहित करती है, इसलिए अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा को जाति के संकुचित दायरे में नहीं देखा जाना चाहिए। अध्यक्षता कर रहे श्री अशोक सिंह भदौरिया ने कहा कि आज दो संगठन मिलकर दशहरा चल समारोह ,मिलन व शस्त्र पूजन कर रहे हैं अगले वर्ष तक प्रयास कर सभी संगठन एक ही जगह शस्त्र पूजन करें , इस बात का प्रयास सभी राजनीतिक नेतृत्व, सामाजिक नेतृत्व, अध्यात्मिक नेतृत्व को करना चाहिए। दशहरा चल समारोह का नेतृत्व चल समारोह संयोजक धीरेन्द्र सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष रामकुमार सिंकरवार जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह तोमर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक तोमर संभागीय अध्यक्ष रामौतार सिंह वैस, संभागीय अध्यक्ष कौशलेंद्र सिंह चौहान, कुलदीप तोमर योगेश तोमर डीपी छोटू तोमर , बंटी भदौरिया रामराज भदौरिया , अभय तोमर,राम राजावत सोनू सुधीर राठौड़ अमित राजावत आदि ने किया, मिलन समारोह में जितेंद्र कुशवाह पार्षद, डॉ ज्योति सिकरवार, राजीव भदौरिया, धीर सिंह तोमर जी, श्यामू ठाकुर, धमेंद्र राजावत, धीरेन्द्र सिंह चौहान, आदि ने भी अपने विचार व्यक्त कर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा को युवा, शक्ति को शैक्षणिक योग्यता के साथ , रोजगार के लिए, पारिवारिक परिचय सम्मेलन, प्रशासनिक सेवा की प्रतियोगी परिक्षाओं के लिए शैक्षणिक केन्द्र, क्षत्रिय विश्व विद्यालय की स्थापना कर क्षत्रिय इतिहास, संस्कृति, संस्कार को संरक्षित करने के काम करने के प्रस्ताव दिया , । कार्यक्रम गरिमा मय तरीके से संगठनात्मक अनुशासन के साथ हर्षोल्लास के साथ उपस्थित जनों ने एक दूसरे के गले मिलकर क्षत्रिय गरिमा के अनुसार विजय दशमी की बधाई दी। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला महामंत्री शैलेन्द्र सिंह सिकरवार व रेशू राजावत जी ने किया, स्वागत भाषण जिला अध्यक्ष महेन्द्र सिंह तोमर ने किया व आभार प्रदेश अध्यक्ष रामकुमार सिंह सिकरवार ने किया,

ईरी मॉथ : यह है दुनिया का सबसे बड़ा पतंगा

ब्राजील में पाए जाने वाले इस पतंगे को दुनिया में सबसे बड़े कीट का दर्जा प्राप्त है। इसे ईरी मॉथ, ग्रेट ऑवलेट माथ, घोस्ट मॉथ, वाइट व्हिच, ग्रेट ग्रे विच जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। पतंगों की दुनिया में इसके पंख सबसे लंबे होते हैं, जिनक आकार 30 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि हरक्यूलिस माथ और एटलस माथ के पंखों का क्षेत्रफल ज्यादा होता है।

जीवन सिर्फ दो हफ्तों का

इसके पंखों पर बने विशिष्ट आकार के पैटर्न इसे ट्रॉपिकल जंगलों में पेड़ों के बीच छिपने में मदद करते हैं। यह इतना बड़ा पतंगा भी शिकारियों की नजर से बचा रहता है। इसके इसी छद्मावरण के कारण इसे देखना बड़ा मुश्किल होता है। पंखों का रंग क्रीमी वाइट या हल्का भूरा होता है, जिन पर कई बादामी और काली धारियां जिगजैग पैटर्न बनाती हैं। नर में ये पैटर्न ज्यादा स्पष्ट होते हैं। उनका जीवन काल एक-दो सप्ताह तक ही होता है।

पेड़ों की पत्तियों पर देती है अंडे

इनकी मादाएं रबर के पेड़ और केसिया जैसे पेड़ों की पत्तियों पर अपने अंडे देती हैं, जिनसे निकलने वाले लार्वा इन्हीं की पत्तियों को खाकर बड़े होते हैं। ये युवा बन प्यूपा बनाते हैं। ये पतंगे ऊरग्वे से लेकर मेक्सिको और कभी-कभी टैक्सास तक पहुंच जाते हैं।

सांस्कृतिक मान्यताएं

दक्षिण अमेरिका की कई संस्कृतियों में यह मान्यता है कि यह पतंगे छिपी हुई अदृश्य दुनिया के संदेशवाहक हैं। वहां के लोगों का मानना है कि मृत लोगों की आत्माओं को ये अपने विशाल पंखों पर धारण करती है।

जमीन पर रेंग कर चलने वाली पर्च मछली

'मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है,हाथ लगाओ डर जाएगी, बाहर निकालो मर जाएगी' मछलियों के बारे में भले ही आपने बचपन से ही ये बातें सुनी हों अर्थात यह कहा जाता रहा है कि बिना जल के मछली के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन 'पर्च' नामक मछली की एक प्रजाति ऐसी भी है, जो न सिर्फ पानी से बाहर भी 12 घंटे तक जीवित रह सकती है बल्कि जमीन पर रेंग कर चल भी सकती है। अन्य प्रकार की मछलियों को पक्षी भले ही न छोड़े पर पर्च मछली को पक्षी नहीं खाते।

कारण है पर्च में पाए जाने वाले कांटे। आपको यह जानकर भी बड़ी हैरानी होगी कि इस मछली को सबसे पहले किसी जलस्रोत में नहीं बल्कि खजूर के एक पेड़ पर देखा गया था, यही वजह है कि इसे 'आरोही' मछली भी कहा जाता है। पूरे भारतीय प्रायद्वीप में पाई जाने वाली पर्च मछली ताजे पानी की मछली है जो हमेशा एक बेहतर घर की तलाश में रहती है। इसके शरीर में एक विशेष अंग होता है जिसके जरिए यह पानी के बाहर भी सांस ले पाती है। इसके गलफड़े अच्छी तरह विकसित नहीं होते। यही वजह है कि इसे सांस लेने के लिए बार-बार पानी की सतह पर आना पड़ता है। यदि पानी स्थिर हो जाए या फिर ज्यादा दूषित हो जाए तो यह पानी से बाहर आकर नए घर की तलाश शुरू कर देती है। पानी से बाहर यह करीब 12 घंटे तक जीवित रह सकती है, बशर्ते कि इसके गलफड़े तब तक गीले रहें। पानी से बाहर सांस लेने की अपनी अद्भुत क्षमता के कारण ही यह मछली वापस अपना रास्ता खोज लेती है।

रोमांच का दूसरा नाम मसाई मारा

केन्या का मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता तथा तरह-तरह के जीव-जंतुओं के लिए दुनिया भर में मशहूर है। रोमांचक अनुभवों का शौक रखने वाले पर्यटक यहां तम्बुओं में रात बिताते हैं। रात में करीब ही लक्कड़बग्घों के गुर्राने की आवाजें सुनाई पड़ती हैं तो दरियाई घोड़े तम्बुओं को सूंघ कर आगे बढ़ जाते हैं। कहीं न कहीं से रह-रह कर शेर की दहाड़ भी कानों में पड़ती रहती है। इस जंगल में हाथियों, जंगली भैंसों तथा चीतों की भी कोई कमी नहीं है।

रोमांच के शौकीनों के लिए मसाई मारा किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सुबह सूरज की पहली किरणों के साथ अफ्रीका के कुछ सर्वाधिक खूबसूरत नजारे मसाई मारा में नजर आने लगते हैं। पर्यटन केन्या की आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जिसके बाद फूलों, कॉफी तथा चाय के निर्यात से होने वाली आय है। दुकेन्या में पर्यटन उद्योग हाल के दिनों में एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा होने लगा है, जब 2008 में केन्या में मची उथल-पुथल तथा खून-खराबे ने यहां सफारी पर्यटन को भारी नुक्सान पहुंचाया था।

पहली बार मसाई मारा आने वाले लोग इसके अनोखेपन से अभिभूत हुए बिना नहीं रह पाते हैं। करीब स्थित तंजानिया के सैरेंगेटी से बेशक ग्नू (हिरण की प्रजाति के जानवर) के झुंड इन दिनों यहां नहीं पहुंच रहे हों, फिर भी यह राष्ट्रीय उद्यान अनेक जानवरों की तस्वीरों से भरी किसी सुंदर पुस्तक जैसा प्रतीत होता है। जो लोग यहां करीब 30 साल पहले आ चुके हैं, वे याद कर सकते हैं कि तब यहां पहुंचने के लिए राजधानी नैरोबी से कार में 250 किलोमीटर का सफर तय करके पहुंचना पड़ता था परंतु अब सीधे हवाई जहाज में यहां पहुंचा जा सकता है।

पहले की तुलना में वे यहां कई अंतर देख सकते हैं। मसाई मारा तक जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ अब बाड़ों में घिरे गेहूं के खेत तथा पालतु पशुओं के झुंड दिखाई देते हैं। अब यहां पहले की तुलना में जानवर भी कहीं कम हैं। केन्या में बढ़ती जनसंख्या का दबाव अब जंगलों तक पहुंच चुका है। 1980 से अब तक केन्या की जनसंख्या 150 प्रतिशत बढ़ कर 4 करोड़ 10 लाख तक पहुंच चुकी है। लोगों को रहने के लिए स्थान भी चाहिए और भोजन भी, जिसका विपरीत असर जंगलों और उनमें रहने वाले जीवों पर साफ नजर आता है। केन्या के जंगलों में खूब सारे जानवर हैं तो कुछ शिकारी भी हैं परंतु अभी यहां जानवरों का शिकार नियंत्रण में है। वैसे भी मसाई लड़ाके (मूल निवासी या यहां रहने वाले आदिवासी) प्राचीन काल से भाले से शेर का शिकार करके अपनी मर्दानगी साबित करते आए हैं। केन्या की जैव विविधता पर नजर रखने वाले कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान में गैर-कानूनी रूप से चरने वाले पशुओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। 1977 से अब तक यह संख्या 10 गुणा बढ़ चुकी है। दूसरी तरफ वन्य जीवों की संख्या में दो-तिहाई कमी आई है। इस संबंध में जारी पहले दीर्घकालीन अध्ययन के नतीजों पर कई लोगों ने आपत्ति भी जाहिर की है परंतु जानकारों का कहना है कि नतीजों में दिख रहे नकारात्मक रुझानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और पिछले 35 सालों के दौरान सम्पूर्ण मसाई क्षेत्र में जंगली जानवरों की संख्या में 80 प्रतिशत तक कमी आई है। काफी सारा जंगली इलाका किसानों को पशु चराने तथा खेती के लिए सौंप दिया गया है। वे जंगल जिनमें मूल मसाई लोग खेती किया करते थे तथा जो उनके संरक्षण में रहते थे, अब तेजी से काटे जा रहे हैं। केन्या के जंगलों के समक्ष इन चुनौतियों तथा चिंताओं के बावजूद भी मसाई मारा की यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाती है। जंगल में रात गुजारने के लिए अनेक बंदोबस्त हैं परंतु उनमें से अधिकतर काफी महंगे हैं। वहां लॉज तथा तम्बू भी मिल जाते हैं और वे भी विभिन्न तरह के। यहां पर्यटकों के लिए कई कैम्प लगे रहते हैं। ऐसे ही एक मारा बुश कैम्प में हर तम्बू में एक काऊबैल लगाई गई है ताकि किसी जानवर के करीब आने पर अलार्म बज जाए क्योंकि इस कैम्प के चारों ओर कोई बाड़ नहीं लगी है। इससे पहले कि आप यहां किसी रेस्तरां या कैम्प फायर तक जाने के लिए निकलें, अपने साथ भाले से लैस किसी स्थानीय मसाई लड़ाके को ले जाना न भूलें।

किसी न्यूज चैनल पर या मूवी में जब हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए दिखता है तो लगता है जैसे प्रकृति गुस्से से लाल-पीली नहीं बल्कि काली और भूरी हो रही है। हवा और पानी के रौद्र रूप का ये भी एक उदाहरण है। ये वो तूफान हैं जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को तोड़-मरोड़ कर खत्म कर देते हैं। इन तूफानों के समय हवा की रफ्तार 150 मील प्रति घंटा और इससे कहीं ज्यादा तक हो सकती है। जानो इन खास तूफानी रूपों के बारे में और समझो इनके पीछे का विज्ञान।

हवाओं का सबसे खतरनाक स्वरूप हरीकेन या टायफून

किसी चैनल पर या मूवी तुमने भी हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए देखा होगा। इन्हें तुमने कई बार डिस्कवरी चैनल पर या किसी हॉलीवुड मूवी में भी देखा होगा। जमीन के साथ-साथ ये तूफानी बादलों की सतह से भी जुड़े हुए मालूम होते हैं। टॉरनेडो के अलावा इसे सायक्लोन या ट्विस्टर भी कहा जाता है। ये सारी चीजों को ट्विस्ट करता हुआ जो उठता है। दूर से देखो तो ऐसा लगता है मानो बादल से किसी ने एक बड़े से कपड़े को जमीन पर खड़े किसी हाथ में में पकड़ा दिया हो और बादल और जमीन दोनों मिलकर उस कपड़े को निचोड़ रहे हों। वहीं सायक्लोन नाम का उपयोग मेटरोलॉजी यानी मौसम विज्ञान में ज्यादा बड़े तूफान के मामले में किया जाता है। हिंदी में ये चक्रवात या बवंडर कहलाते हैं। यूं टॉरनेडो नाम स्पेनिश शब्द 'ट्रोनाडा'' से बना है जिसका मतलब है 'थंडरस्ट्रॉम।'' टॉरनेडो अलग-अलग साइज के हो सकते हैं पर इनका आकार तुम्हारी कैमेस्ट्री लैब में मौजूद फनल के जैसा होता है। जमीन की तरफ से संकरा और आसमान की ओर खुला हुआ। ये धूल का बड़ा सा गुबार होते हैं। सायक्लोन उन जगहों पर ज्यादा पैदा होते हैं जो जगहें इक्वेटर से पास हैं और ध्रुवों की तरफ यानी इक्वेटर से दूर जगहों पर ये कम पाए जाते हैं।

हमारे देश में ये बंगाल की खाड़ी के पास वाले इलाकों में ज्यादा दिखाई देते हैं। वैसे अंटार्कटिका के अलावा ये लगभग हर कॉन्टिनेंट में मिलते हैं। इनकी सबसे ज्यादा संख्या पाई जाती है अमेरिका के 'टॉरनेडो ऐली'' रीजन में। वैसे उत्तरी अमेरिका में इनका होना बहुत आम है। इनके आने का पता लगाने के लिए 'पल्स डॉप्लर राडार'' की मदद ली जाती है और इन्हें नापने के लिए कई तरह की फ्यूजिटा या टॉरो जैसी स्केल्स का उपयोग किया जाता है।

सामान्यतः किसी एक तूफान से एक से ज्यादा टॉरनेडो भी पैदा हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें टॉरनेडो फैमेली भी कहा जाता है। यही नहीं जिस जगह टॉरनेडो बन रहे हैं उस जगह के नेचर के हिसाब से इनका रंग भी अलग-अलग हो सकता है। जैसे पानी के ऊपर उठने वाले टॉरनेडो सफेद या नीले हो सकते हैं तो कभी मिट्टी पर उठने के कारण ये लाल रंग के भी हो सकते हैं। है यह भी चक्रवात या सायक्लोन का ही एक रूप लेकिन इसका रिजल्ट भारी बारिश और बाढ़ वाले तूफान के रूप में दिखाई देता है। यानी ये पानी का खतरनाक रूप हैं। इन्हें भी तुमने कई हॉलीवुड मूवीज में देखा होगा। ये ट्रॉपिकल सायक्लोन कहलाते हैं जो कि मैक्सिको की खाड़ी, कैरेबियन सी, पूर्वी प्रशांत महासागर यानी ईस्टर्न पेसिफिक ओशियन तथा दक्षिणी अटलांटिक ओशियन जैसी जगहों पर जन्म लेते हैं। समुद्र की सतह पर मौजूद भाप से ये एनर्जी पाते हैं। इससे ही फिर भयानक बारिश वाले बादल आकार लेते हैं। इन्हें हरीकेन और टायफून के अलावा ट्रॉपिकल स्टॉर्म, ट्रॉपिकल डिप्रेशन आदि नामों से भी जाना जाता है। खास बात यह कि जमीन पर आने के बाद ये कमजोर पड़ जाते हैं क्योंकि उस समय ये अपने एनर्जी के सोर्स से यानी समुद्र की सतह से अलग होने लगते हैं। इनके बनते समय हवा पानी की सतह से ऊपर उठने की बजाय पानी के भीतर जाकर गोल, घुमावदार रूप ले लेती है।

इससे पानी पर एक खाली जगह बन जाती है जिसे 'आई'' यानी आंख कहा जाता है। दुनियाभर में ये तूफान आमतौर पर गरमी के मौसम के विदा लेते समय पैदा होते हैं जब समुद्र की सतह का तापमान सबसे ज्यादा होता है और भाप तेजी से बनती है। हालांकि, इसके अलावा भी अलग-अलग जगह इनका अलग सीजन हो सकता है। जमीन पर मौजूद डॉप्लर वेदर राडार के अलावा वेदर सैटेलाइट के जरिए भी इनके आने की सूचना मिल सकती है।

इनका टायफून नाम अरबी भाषा के 'तूफान'' शब्द से लिया गया है जिसे हिंदी और उर्दू में भी उपयोग में लाया जाता है। तूफान शब्द असल में ग्रीक मायथोलॉजी में तूफान के एक राक्षस 'टायफोन'' से भी जुड़ता है। वहीं हरीकेन शब्द स्पेनिश भाषा से आया है और तूफानों के देवता 'हुराकान'' को दर्शाता है। सबसे मजेदार बात यह है कि इन तूफानों की पहचान के लिए इनको बकायदा नाम दिए जाते हैं।

पुरानी छावनी और बड़ा गाँव पर चैकिंग प्वॉइंट लगाकर वाहनों से लिए दूध के नमूने

ग्वालियर । जिले में खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए जिला प्रशासन के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस क?ी में रविवार को खाद्य सुरक्षा विभाग के दलों ने पुरानी छावनी और बडागॉव हाइवे पुल के पास चैकिंग पाइन्ट लगाकर दूध वाहनों की जाँच की। चैक पाइन्ट पर मुरैना जिले की ओर से दूध लेकर आ रहे वाहनों के दूध की मौके पर ही चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से जाँच की गयी। जाँच में फैट एवं एसएनएफ मानक अनुरूप न पाये जाने पर देवेन्द्र गुर्जर निवासी बारे का पुरा मुरैना, सुनील कुमार शर्मा निवासी मुरैना एवं जितेन्द्र गुर्जर निवासी मुरैना द्वारा ले जाए जा रहे दूध के नमूने जाँच के लिए एकत्रित किए। इन नमूनों की जाँच राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल में कराई जायेगी। इसी तरह बडागॉव पुल पर लगाए गए दूध वाहनों के चैकिंग पाइन्ट पर रोशन सिंह निवासी बिल्हेटी, मातादीन प्रजापति निवासी ग्राम गोबई, दिलीप रजक और श्यामवीर गुर्जर निवासी पारसेन से दूध के नमूने जाँच के लिए एकत्रित किए गए। पुरानी छावनी पर लगाए गए चैकिंग प्वॉइंट पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री लोकेन्द्र सिंह, श्री दिनेश सिंह निम व सुश्री निरूपमा शर्मा ने नमूने लिए। इसी तरह बड़ागांव चैकिंग प्वॉइंट पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री सतीश शर्मा व श्री सतीश धाकड़ द्वारा नमूने लिए गए। रविवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी बृजेश शिरोमणि ने आनन्द बेकर्स मुरार से मदर डेयरी ब्राण्ड का दूध का नमूना लिया।नमूनों को जॉच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे जायेंगे। जॉच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

बूंदाबांदी होने से मौसम हुआ सुहावना, गिरा पारा हुआ गुलाबी सर्दी का अहसास

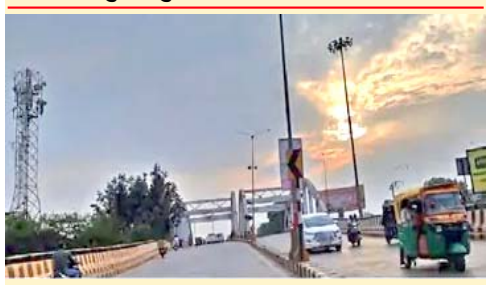

ग्वालियर। रविवार को अरब सागर में लो प्रेशर बनने से हल्की बूंदाबांदी होने से मौसम सुहावना हो गया और लोगों को गुलाबी सर्दी का अहसास हुआ।, हालांकि पिछले तीन दिन से न्यूनतम तापमान में लगातार आ रही कमी के चलते रात को हल्की ठण्डक महसूस होने लगी है। रविवार को न्यूनतम तापमान 23.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं अधिकतम तापमान गत दिवस 32.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। यही कारण है कि अब दिन में भी हल्की ठंडक होने लगी है। स्थानीय मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अरब सागर में लो प्रेशर बना हुआ है और वहां से दक्षिण की हवा आ रही है। ऐसी स्थिति में मौसम में बदलाव हुआ है। हवाओं के परिवर्तित होने से मौसम में बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि कश्मीर में अभी बर्फबारी शुरु नहीं हुई है, जैसे ही बर्फबारी शुरु होगी, इसका असर आने लगेगा। दो दिन बाद रात के तापमान में भी और गिरावट आएगी, इसके बाद मौसम में ठण्डक ब?ने लगेगी। मौसम में आर्द्रता 76 प्रतिशत दर्ज की गई है। रविवार सुबह से ही आसमान में बादलों का डेरा रहा और सूर्य देव बादलों के पीछे छिपे रहे। इससे मौसम में ठंडक का अहसास लोगों को हुआ। मौसम में ठंडक घुलने से रात में लोगों को पंखों को भी बंद करना प? रहा है। सुबह और दोपहर को शहर के कुछ इलाकों में हल्की फुहारे गिरीं। अभी एक या दो दिन मौसम के ऐसा ही बने रहने की संभावना है। इससे लोगों को गुलाबी ठं?क का भी अहसास होने लगा है। रविवार सुबह न्यूनतम तापमान 23.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक है। बीते रोज न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री था, जिससे आज एक डिग्री कम है। बीते रोज अधिकतम तापमान 32.1 डिग्री था, जो सामान्य से 3 डिग्री कम था।

हजरत ख्वाजा खानून साहब का 506वां उर्स मेला तीस अक्टूबर से

ग्वालियर। इस माह से शुरू होने वाले विख्यात सूफी संत हजरत ख्वाजा खानून साहब के 506वें मेले की तारीखेंघोषित कर दी गई हैं। दरगाह के सज्जादानशीन हजरत ख्वाजा राशिद खानूनी ने बताया कि हजरत का 506वां उर्स आगामी तीस अक्टूबर बुधवार से परम्परागत ढंग से प्रारंभ होगा। उर्स संयोजक रामबाबू कटारे ने बताया कि आठ दिवसीय उर्स महोत्सव में तीस अक्टूबर से 6 नवंबर तक धार्मिक आयोजनों के अलावा साहित्यिक आयोजन में अखिल भारतीय मनकवती तरही मुशायरा, और राष्ट्रीय सेमिनार होगा। उत्सव - कब्वाली और संत सम्मेलन के विशेष आयोजन होंगे। दरगाह के नायब सज्जादानशीन डॉ एजाज खानूनी ने बताया कि उर्स में औरतों की मीलाद और गद्दी की मेहफिल होकर आखिरी दिन अजमेर शरीफ से आई खास चादर पेश होकर कुल का छींटा होगा। उन्होंने बताया कि उर्स की तमाम तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। साथ ही समुचित व्यवस्थाओं के लिए स्थानीय प्रशासन को भी अवगत कराया गया। उल्लेखनीय है कि इस उर्स मेले में देशभर से श्रद्धालु जाति पाति धर्म ऊंच नीच छोटे बड़े का भेद भूलकर समान रूप से भाग लेते हैं।

ऊर्जा मंत्री ने घर-घर जाकर जानी समस्याएं, निराकरण भी कराया

ग्वालियर । आमजन की मूलभूत समस्याओं को जानने एवं उनका उचित समाधान करने के उद्देश्य से ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर रविवार को उपनगर ग्वालियर की विभिन्न बस्तियों के भ्रमण पर रहे। इस दौरान उन्होंने घर-घर जाकर लोगों की समस्यायें सुनीं। श्री तोमर ने कुछ समस्याओं का मौके पर ही निराकरण कराया तो शेष समस्याओं को समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश नगर निगम एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। भ्रमण के दौरान उन्होंने सिविल हॉस्पिटल हजीरा का भी जायजा लिया।

इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा सरकार की मंशा साफ है कि आमजन को शासन की योजनाओं का लाभ उनके घर के नजदीक ही मिले। साथ ही उनकी समस्याओं का समाधान भी घर के पास में ही हो। इसी उद्देश्य को लेकर उपनगर ग्वालियर में यह यात्रा

प्रारंभ की गई है, जो लगातार तीन दिवस तक चलेगी। इस यात्रा के माध्यम से आमजन की समस्याओं का समाधान मौके पर ही अधिकारियों के माध्यम से कराया जा रहा है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कांचमिल माता मंदिर क्षेत्र से अपने भ्रमण की शुरूआत की। इसके बाद वह आनंद नगर, प्रगति नगर, पुराना रेशममिल, न्यू चंदनपुरा, जेसी मिल श्रमिक लाइन व संजय नगर में घर-घर पहुँचकर समस्याओं की वस्तुस्थिति जानी। साथ ही साथ में गए अधिकारियों को समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए। श्री तोमर ने इसी क्रम में राठौर चौक, मरघट पुलिया,न्यू नरसिंह नगर, नरसिंह नगर, शिवहरे तेल मिल, इंदिरा नगर चुरेल का पेड़, रामनगर खारा कुआं, रानीपुरा व राजा मंडी क्षेत्र के घरों में पहुँचकर स्थानीय निवासियों से रूबरू हुए। उन्होंने क्षेत्र भ्रमण के बाद माझी समाज की धर्मशाला में जन चौपाल लगाकर स्थानीय निवासियों की समस्यायें सुनीं। साथ ही यहीं पर रात्रि विश्राम किया। भ्रमण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद महेंद्र आर्य, देवेंद्र राठौर व दीपक मांझी सहित योगेंद्र तोमर, बृजमोहन शर्मा, मनमोहन पाठक , सुरेंद्र चौहान , जगरनाथ सिकरवार, रसाल सिंह सिकरवार, श्यामू गैस व मुनुआ राजावत सहित अन्य क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अग्रबंधुओं ने बेटियों के पैर पूजे, परिचय सम्मेलन पत्रिका का विमोचन हुआ

ग्वालियर। अग्रवाल परिचय सम्मेलन द्वारा रविवार रिश्तों को जो?ने के उद्देश्य को लेकर 118वें युवक युवती परिचय सम्मेलन की पत्रिका का विमोचन किया गया। परिचय पत्रिका में 360 युवक युवतियों के बायोडाटा प्रकाशित किए गये। इस अवसर पर अग्रवाल परिचय सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश ऐरन ने कहा कि रिश्तों को जो?ने में परिचय पत्रिका मुख्य माध्यम है, जिसके द्वारा अग्रबंधु अपनी इच्छा मुताबिक रिश्ते कर लेते हैं और परिवार की पूरी जानकारी भी सभी को मिल जाती है। कार्यक्रम में सभी अग्रबंधुओं ने कन्याओं को बेटी के रुप में उनके पैर पूजकर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में मां अम्बा रानी की पूजा की गई। कार्यक्रम में श्रीमती पूनम अग्रवाल, रेनू मंगल, प्रीति बिंदल, ज्योति अग्रवाल, साधना गोयल, नेहा सराफ, सुधा अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, कविता मंगल, मुकेश सिंघल, अनिल गर्ग, महेंद्र अग्रवाल, शौर्य अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल सहित अनेकों अग्रबंधु शामिल हुये।

फूड प्रोसेसिंग अपनाकर किसान अच्छी आय प्राप्त कर सकते हैं: मंत्री कुशवाह

चार दिवसीय किसान मेला सह संगोष्ठी शुरू

ग्वालियर। फूड प्रोसेसिंग (खाद्य प्रसंस्करण) अपनाकर किसान अपनी उपज की कई गुना कीमत प्राप्त कर सकते हैं। सरकार द्वारा फूड प्रोसेसिंग यूनिट व भण्डारण केन्द्र बनाने के लिये अनुदान दिया जाता है। किसान भाई सरकार की इस योजना का लाभ उठाकर अपनी आय बड़ा सकते हैं। यह बात उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने रविवार से यहाँ मेला रोड़ स्थित शासकीय पौधशाला में शुरू हुए चार दिवसीय जिला स्तरीय किसान मेला सह संगोष्ठी के उदघाटन सत्र में मौजूद किसानों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने इस अवसर पर उद्यानिकी विभाग की योजनाओं के तहत किसानों को बैटरी चलित निःशुल्क स्प्रे पम्प तथा मिर्च, टमाटर, धनिया व अन्य मसाला फसलों के उन्नत बीज व दवाएँ वितरित कीं।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन एवं पौध उत्पादन योजना के तहत आयोजित हो रहे इस चार दिवसीय किसान मेला में लगभग एक हजार किसानों को लाभान्वित कराया जायेगा। मेले के पहले दिन घाटीगाँव विकासखंड के लगभग 248 किसानों ने हिस्सा लिया। इन सभी को निःशुल्क बैटरी चलित स्प्रे पम्प तथा मिर्च, टमाटर, धनिया व अन्य मसाला फसलों के उन्नत बीज व दवाएँ वितरित की गईं। साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने उन्नत खेती की बारीकियाँ विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों में किसानों को समझाईं। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि किसानों को फसल की लागत व मेहनत का पूरा लाभ मिले, इसके लिये सरकार निरंतर काम कर रही है। सरकार द्वारा उद्यानिकी विभाग के माध्यम से फूड प्रोसेसिंग व भण्डारण के साथ-साथ पॉली हाउस, नेट, छोटे ट्रेक्टर व अन्य उपकरणों के लिये किसानों को अनुदान दे रही है। किसान भाई आगे आकर इन योजनाओं का लाभ उठाएँ। इस अवसर पर श्री कुशवाह ने यह भी कहा कि मौसम में आए बदलाव को ध्यान में रखकर किसान भाईयों को उन्नत खेती करने के लिये प्रशिक्षित भी कराया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्वालियर में इस किसान मेले सह संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा किसानों को उनके उत्पादों के लिए बाजार मिले, इस उद्देश्य से संभाग व जिला स्तर पर क्रेता ङ्क विक्रेता सम्मेलन का आयोजन भी सरकार द्वारा कराया जा रहा है।

किसान मेला सह संगोष्ठी के उदघाटन सत्र में कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक श्री शैलेन्द्र सिंह

कुशवाह ने भण्डारण व आधुनिक नर्सरी स्थापित करने की तकनीक बताई। इसी तरह उद्यानिकी विशेषज्ञ डॉ. रश्मि वाजपेयी ने किसानों से कहा कि अच्छी पैदावार करने के लिये खेत की मिट्टी व बीज को अवश्य उपचारित करें। कार्यक्रम के अंत में संयुक्त संचालक उद्यानिकी बृजेन्द्र सिंह भदौरिया ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। सहायक संचालक उद्यानिकी एम पी एस बुंदेला ने मेले के उद्देश्य एवं उद्यानिकी विभाग के अंतर्गत जिले में चल रही गतिविधियों की जानकारी दी। आरंभ में मंत्री श्री कुशवाह ने दीप प्रज्वलन कर किसान मेले का शुभारंभ किया। उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि किसानों को उद्यानिकी फसलों के मानक यानि उच्च गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराने के लिये सरकार कटिबद्ध है। इस बात को ध्यान में रखकर सरकार ने उन बीज फर्मों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है, जिन्होंने बीज की गुणवत्ता के साथ समझौता किया है। श्री कुशवाह ने किसानों का आह्वान किया कि यदि उन्हें सरकार की ओर से उपलब्ध कराए जा रहे निःशुल्क बीज में गुणवत्ता की कमी दिखाई दे तो उसे जरूर बताएँ। अमानक बीज देने वाली फर्म के खिलाफ सरकार कार्रवाई करेगी। उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि प्रदेश में संभागीय स्तर पर उद्यानिकी विभाग द्वारा सर्वसुविधाओं से सुसज्जित हाईटेक नर्सरी स्थापित की जायेंगीं। यह काम शुरू हो चुका है। उन्होंने किसान मेले के उदघाटन से पहले ग्वालियर की शासकीय पौधशाला का जायजा भी लिया। श्री कुशवाह ने कहा खुशी की बात है कि इस साल ग्वालियर की नर्सरी से अब तक 7 लाख रूपए के पौधों की बिक्री हो चुकी है। चार दिवसीय किसान मेला में दूसरे दिन यानि 14 अक्टूबर को जिले के भितरवार विकासखंड के 142 किसान भाग लेंगे। इसी तरह तीसरे दिन यानि 15 अक्टूबर को डबरा विकासखंड के 201 एवं चौथे दिन यानि 16 अक्टूबर को मुरार विकासखंड के 189 किसान शामिल होंगे।

जनकताल गौशाला में की 650 किलो हरे चारे की सेवा

ग्वालियर में गौसेवा के क्षेत्र में अपनी पहचान स्थापित कर चुकी एक संस्था बजरंग भक्त मंडल द्वारा साल 2019 से प्रति सप्ताह निरंतर की जा रही सेवा के क्रम में आज दिनांक 13/10/24 को मंडल द्वारा सदस्यों एवं दान दाताओं के सहयोग से जनकताल स्थित गौशाला में 650 किलो हरे चारे की सेवा की गई जिसमे 200 किलो हरे चारे की सेवा शालिनी त्रिपाठी द्वारा, 147 किलो हरे चारे की सेवा भरत गर्ग द्वारा, 100 किलो हरे चारे की सेवा अनिल गुप्ता द्वारा 100 किलो हरे चारे की सेवा विशाल अग्रवाल द्वारा 58 किलो हरे चारे की सेवा हरीश चंद्र अग्रवाल एवं 58 किलो हरे चारे की सेवा आकाश सविता द्वारा कुल 650 किलो हरे चारे की सेवा की गई। इससे पूर्व मंडल के सदस्य हिमांशु बघेल के संस्थान पर इस महीने का प्रथम संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। गौसेवा में मंडल के अध्यक्ष आशीष मंगल,उपाध्यक्ष अमन गर्ग,सचिव राकेश मंगल, कोषाध्यक्ष राम किशोर मंगल,नमन अवस्थी,विशाल अग्रवाल,दीपक बघेल, संजीव गुप्ता, पुनेश पाल,हरीश चंद्र अग्रवाल,अंकित तिवारी आदि सदस्य उपस्थित थे।

बजरंगी दादा व अनूप मिश्रा का साथ-साथ दशहरा पूजन चर्चा का विषय

ग्वालियर। बजरंगी दादा और पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया ने शनिवार को क्षत्रिय समाज के दशहरा उत्सव में शस्त्र पूजन किया। बजरंगी दादा पवैया अपने समर्थकों के साथ दशहरा पूजन में शामिल हुये। वहीं विशेष बात यह रही कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के भांजे व पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा ने भी अपने समर्थकों के साथ दशहरा पूजन में भाग लिया। वह और बजरंगी दादा दोनों साथ-साथ थे। ब्जरंगी दादा पवैया और पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा की यह जुगलबंदी बहुत दिनों बाद एक साथ देखी गई। दोनों के समर्थक भी इस अवसर पर गले मिले। कुल मिलाकर यह स्पष्ट है कि दोनों नेता लोकप्रिय हैं और अंचल में राजनीति की धुआंधार बैटिंग करते हैं।

दवाओं की सामग्री बनाने वाली फैक्ट्रियों की जाँच बारीकी से करें: कलेक्टर

ग्वालियर। अंग्रेजी, आयुर्वेदिक एवं अन्य चिकित्सा पद्धतियों की दवाओं व लिकर इत्यादि के निर्माण में उपयोग में लाई जाने वाली सामग्री तैयार करने वाली फैक्ट्रियों की बारीकी से जाँच करें। जाँच के दौरान खासतौर पर देखें कि फैक्ट्री में जिसकी अनुमति है, उसके अलावा कोई अन्य नशीला ड्रग्स तो तैयार नहीं किया जा रहा। साथ ही निर्धारित मात्रा से अधिक स्टॉक तो नहीं है। यदि फैक्ट्री में कोई संदिग्ध वस्तु पाई जाए तो शासन के प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई की जाए। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने गूगल मीट के जरिए जिले के सभी एसडीएम एवं इन फैक्ट्रियों की जाँच के लिए गठित किए गए दलों में शामिल पुलिस, आबकारी, खाद्य, औषधि प्रशासन, नगर निगम, जिला उद्योग केन्द्र एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। गूगल मीट में पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार, कुमार सत्यम व टी एन सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी

शामिल हुए। ज्ञात हो जिले में संचालित ऐसी फैक्ट्रियों जिनमें अंग्रेजी व आयुर्वेदिक दवाओं व लिकर अथवा अन्य प्रकार की दवाओं के निर्माण में उपयोग में लाई जाने वाली सामग्री का निर्माण किया जाता है, उन सभी फैक्ट्रियों का अभियान बतौर निरीक्षण के लिये संबंधित एसडीएम के नेतृत्व में पाँच दल गठित किए हैं। इन दलों द्वारा ऐसी सभी फैक्ट्रियों की जाँच के दौरान खासतौर पर यह देखा जाएगा कि इनमें नशीली दवाईयाँ बनाने में उपयोग होने वाली कच्ची सामग्री का निर्माण तो नहीं किया जा रहा है। भोपाल की फैक्ट्री में नशीले पदार्थ एमडी ड्रग्स का निर्माण, विक्रय तथा नशीली दवाईयाँ बनाने में उपयोग में होने वाली कच्ची सामग्री पाए जाने की घटना संज्ञान में आने पर कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जिले की फैक्ट्रियों के जाँच के लिए आदेश जारी किया है।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने गूगल मीट के जरिए निर्देश दिए कि सभी दल अंग्रेजी व आयुर्वेदिक दवाओं व लिकर इत्यादि की सामग्री बनाने वाली क्रियाशील व बंद फैक्ट्रियों की बारीकी से जाँच करें। यदि इन फैक्ट्रियों में अधिकृत सामग्री के अलावा कोई नशीले ड्रग अथवा नशीले ड्रग में उपयोग होने वाली कच्ची सामग्री का निर्माण पाया जाए तो शासन के प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जाँच के दौरान यह भी देखें कि इन फैक्ट्रियों द्वारा अधिकृत के अलावा किसी अन्य फर्म या व्यक्ति को सामग्री की बिक्री तो नहीं की जा रही है। साथ ही खाद्य एवं औषधि प्रशासन व आबकारी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निरीक्षण के दौरान सभी प्रावधानों व नियमों के दस्तावेज साथ में रखें।पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने कहा कि फैक्ट्रियों के प्रवेश व निकास द्वार पर सीसीटीव्ही कैमरे लगवाने के लिये फैक्ट्री संचालकों को स्पष्ट रूप से ताकीद कर दें। साथ ही इन फैक्ट्रियों में कार्यरत कामगारों का डाटाबेस भी प्राप्त कर लें।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478